Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 216 | शुक्रवार, 14 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

क्या आप अदालत को हल्के में ले रहे हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और एफएसएसएआई को दिया अल्टीमेटम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैक्ड खाद्य पदार्थों के पैकेट पर चेतावनी वाला लेबल लगाने के नियम को लागू करे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और एफएसएसएआई के रुख पर कड़ी नाराजगी जताई और पूछा कि क्या अधिकारी कॉरपोरेट घरानों के दबाव में थे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने पूछा, 'क्या आप अदालत को हल्के में ले रहे हैं? इन सभी कॉरपोरेट घरानों की तरफ से आप पर बहुत

दबाव है और आप उस दबाव के आगे झुक रहे हैं। हम यह जनहित में कर रहे हैं। इसे ध्यान में रखें। हम यह अपने लिए नहीं कर रहे हैं। आप हमारे आदेश का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने अब तक क्या किया है? हम आप पर पड़ रहे दबाव को जानते हैं। क्या आप इसे खुद करेंगे या हमें आदेश जारी करना होगा?' बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट इस सफाई से भी संतुष्ट नहीं हुआ कि अगर ऐसे वॉर्निंग लेबल लगाए जाते हैं, तो कई भारतीय खाद्य पदार्थों, जैसे नमकीन पर भी ज्यादा फैट, चीनी या नमक वाले लेबल लग जाएंगे।

हम किसी विशेष उत्पाद के खिलाफ नहीं: सुप्रीम कोर्ट

न्यायालय ने आगे टिप्पणी की कि वह किसी विशेष खाद्य उत्पाद के खिलाफ नहीं है, बल्कि केवल ऐसे मामलों में जनता में जागरूकता सुनिश्चित करने पर जोर दे रहा है। कोर्ट ने कहा, 'इस देश में कितने लोग सूखे मेवे खरीद सकते हैं और कितने बच्चे कुरकुरे खरीदते हैं? यही सबसे बड़ा फर्क है। हम किसी विशेष उत्पाद के खिलाफ नहीं हैं। हम बस इतना चाहते हैं कि इसे खरीदने वाले व्यक्ति को पता हो कि वह क्या खा रहा है।' कोर्ट ने केंद्र सरकार और एफएसएसएआई को इस मामले में अपना आखिरी फैसला दर्ज कराने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट ने कहा, 'यह आपका (केंद्र सरकार) का आखिरी मौका है। अगली बार फैसला हम तय करेंगे।'

क्या है पूरा मामला

अब मामले की बात करें तो कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इसमें पैक किए गए फूड आइटम पर वॉर्निंग वाले लेबल लगाने की मांग की गई थी। ताकि, उसमें चीनी और नमक की मात्रा का पता चल सके। अप्रैल 2025 में कोर्ट ने एफएसएसएआई की बनाई गई एक्सपर्ट कमेटी को इस मुद्दे पर अपनी सिफारिशें फाइनल करने का निर्देश देते हुए पीआईएल का निपटारा कर दिया। बाद में एफएसएसएआई ने कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें बताया गया कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ा, लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा, दोनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही मॉनसून सत्र समाप्त हो गया, जिसमें कामकाज बहुत कम हुआ। सत्र के दौरान कोई प्रश्नकाल नहीं हुआ और कई बिल बिना बहस के ही पास कर दिए गए। विपक्ष ने ठएएळ पेपर 'लीक', राम मंदिर चंदे की 'चोरी' और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान जैसे मुद्दों पर बार-बार हंगामा किया।

आखिरी दिन की शुरूआत में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजने के कुछ ही देर बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों मौजूद थे। वहीं, राज्यसभा ने चर्चा के बाद 'माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026' पास कर दिया। उच्च सदन की कार्यवाही कुल 37 घंटे 49 मिनट तक चली और 12 बिलों पर पास करने या लौटाने के लिए विचार किया गया। सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने समापन भाषण में इस सत्र के दौरान लगातार हंगामे पर अफसोस जताया। बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले राज्यसभा में भी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजाया गया।

पीएम मोदी रात को नहीं सो पा रहा, हम उन्हें पागल कर देंगे: राहुल गांधी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। यह देखते हुए कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने अब अपनी बात रखना शुरू कर दिया है और इसे अब रोका नहीं जा सकता, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को तब तक जगाए रखेंगे जब तक वे पद नहीं छोड़ देते, और यह लड़ाई देश की मूल भावना और संस्कृति के लिए है। यहाँ 'रचनात्मक कांग्रेस राष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी रात भर नहीं सो पाता है। हम इनको पागल कर देंगे। अमित शाह भाग गया। अमित शाह पार्लियामेंट में नहीं घुस पाया।'

कर्नाटक विधानसभा में स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, थाली में मिले कॉकरोच, मंत्रियों की सेहत से खिलवाड़

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कर्नाटक। बेंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही एक कैंटीन, जहाँ मंत्रियों और कई आईएएस अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियाँ (जैसे खाने की प्लेटों पर कॉकरोच मिलना) पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सौधा (कर्नाटक विधानसभा) परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच के दौरान खाने की प्लेटों पर कॉकरोच दिखे, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है।

इस परिसर में कई होटल हैं जहाँ विधायक ठहरते हैं, खासकर वे जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं। इमारत की ऊपरी मंजिलों पर विधायकों के लिए कमरे हैं। स्वास्थ्य विभाग को 'लेजिस्लेटर्स हाउस' में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और खराब साफ-सफाई मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, कअर अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय 'आरोग्य सौधा' (जहाँ राज्य स्वास्थ्य विभाग का मुख्यालय है) में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के एक दिन बाद उठाया गया है।

संपादक की कलम से

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

ललित शर्मा
संपादक

भारतीय संसद के लिए 12 अगस्त 2026 का दिन इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति- जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार- सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा-जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में 'नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है। भारत में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य-विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना-न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए। यही इस विधेयक की असली परीक्षा है।

वाकयुद्ध की परिणाम

उदय कशोर साह

कविता

मन की आँगन है बिल्कुल ही सूना सूना
खामोश है दरवाजा मौन है कोना कोना
दिन में तारे से पट गये है तारे अंबार
वाकयुद्ध भंग हो गई मेरी। शांत संसार

चारों ओर छाई सावन की हरियाली
चाय की प्याला टेबल पे है खाली खाली
चुल्हे भी रसोईघर में है आज शर्मसार
रूठ गया क्यूं हँसता खेलता घर द्वार

पड़ोसी के घर मन रही है आज दिवाली
जूठा पड़ा रोता है बरामदे में वो थाली
कैसा मनहुस है ये समय का है तकरार
वर्ना दिल था दिलवर। मेरा दिलदार

तुम भी थी गुस्से में मैं भी था एक किरदार
बात बात में हो गई शब्द वाणों से वार
समय की नजाकत को समझ ना पाया यार
एक ही झटके में टुट गया वर्षों का वो प्यार

चलो अब वाकयुद्ध को देते हैं पूर्ण विराम
पहल करो तुम अब घर ना आये कोहराम
साथ साथ चलेगें हम हैं प्यार के दो राही
कर्ज है मोहब्बत की चुकायेगें अब पाई पाई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

80वां स्वतंत्रता दिवस: क्या युवा भारत 2047 की नई कहानी लिखेगा?

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर 15 अगस्त 2026 भारत के इतिहास में केवल एक और स्वतंत्रता दिवस नहीं होगा। यह वह अवसर है, जब देश अपनी आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएगा और साथ ही 150 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर चुके राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को भी विशेष राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्मरण करेगाहालांकि 1947 से 2026तक स्वतंत्रता की अवधि 79 वर्ष पूर्ण हुई है, इसलिए संवैधानिक/ऐतिहासिक गणना में 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह कहना अधिक उपयुक्त है। इस वर्ष का उत्सव एक ऐसे भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता दिखाई दे रहा है, जहां अतीत की स्वतंत्रता-स्मृतियां और भविष्य की युवा आकांक्षाएं एक ही मंच पर मिल रही हैं। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के लिए 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी वर्षभर का कार्यक्रम पहले ही शुरू किया जा चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि वंदे मातरम् की इस ऐतिहासिक गूंज के साथ एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और कानूनी अध्याय भी जुड़ चुका है। प्रेवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल हॉनर (अमेन्डमेंट) बिल, 2026 को संसद में राज्यसभा ने 29 जुलाई 2026 और लोकसभा ने 30 जुलाई 2026 को पारित कियाथा। इस विधेयक पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 11 अगस्त 2026 को अपने हस्ताक्षर किए, जिसके बाद यह कानून बन गया है, अब यह राष्ट्रीय गीत को राष्ट्रीय गान के समान वैधानिक संरक्षण देने वाला कानून बनाया गया। इसके तहत राष्ट्रीय गीत के गायन को जान बूझकर रोकने या उसमें व्यवधान डालने पर वही दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए हैं जो राष्ट्रीय गान के संदर्भ में हैं इसलिए 15 अगस्त 2026 का लाल किला केवल अतीत को याद करने का मंच नहीं, बल्कि 2047 के विकसित भारत की दिशा निर्धारित करने वाला राष्ट्रीय संवाद बन सकता है। देश के सामने एक तरफ तिरंगे की शान, हर घर तिरंगा, तिरंगा बाइक रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रगीत की गूंज होगी, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता पेपर लीक शिक्षा कौशल रोजगार स्टार्टअप डिजिटल अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानसिक दबाव और युवाओं की राजनीतिक भागीदारी जैसे सवाल भी होंगे। यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस को युवा शक्ति के उत्सव के रूप में देखना महज भावनात्मक विचार नहीं, बल्कि सटीकता से समय की आवश्यकता प्रतीत होता है। साथियों बात अगर हम लाल किले से 'वंदे मातरम्' की गूंज और 150 वर्षों कीऐतिहासिक यात्रा को समझने की करें तो 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। इसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में रचा था और बाद में यह स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय जागरण का स्वर बना। भारत सरकार ने 2025-26 को इसकी 150वीं वर्षगांठ का वर्ष घोषित करते हुए वर्षभर के राष्ट्रीय कार्यक्रमों की शुरूआत की है। 15 अगस्त 2026 के समारोह में इसका विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि राष्ट्रगीत की 150 वर्ष की यात्रा को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय मंच से जोड़ना अतीत और वर्तमान के बीच एक प्रतीकात्मक सेतु तैयार करता है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इस अवसर पर लाल किले से 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति को विशेष महत्व दिया जाएगा। यहां लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण कसौटी भी सामने आती है राष्ट्रप्रेम केवल कानून से पैदा नहीं होता; वह नागरिक चेतना, स्वैच्छिक सम्मान और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता से मजबूत होता है। इसलिए 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होगा जब यह गीत भारतीयों को केवल अतीत के बलिदानों की याद न दिलाए, बल्कि वर्तमान में राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी का भी एहसास कराए। साथियों बात अगर हम 80 वां स्वतंत्रता दिवसः तिरंगे के साथ युवा भारत की नई उड़ान इसको समझने की करें तो, इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश संभवतः युवा भारत के नाम हो सकता है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका विशाल युवा वर्ग है। आज का युवा केवल नौकरी मांगने वाला नागरिक नहीं है; वह स्टार्टअप बना रहा है, डिजिटल अर्थव्यवस्था खड़ी कर रहा है, अंतरिक्ष और विज्ञान में आगे बढ़ रहा है, खेलों में विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन कर रहा है और लोकतांत्रिक विमर्श में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। सरकारी माय भारत कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस 2026 के लिए युवाओं की भागीदारी पर आधारित क्विज और अन्य गतिविधियां आयोजित की गई तथा चयनित प्रतिभागियों को लाल किले के समारोह में आमंत्रित किए जाने की व्यवस्था की गई। यह स्वयं इस बात का संकेत है कि इस वर्ष समारोह में युवा सहभागिता को विशेष स्थान दिया जा रहा है। इसका व्यापक अर्थ यह है कि स्वतंत्रता दिवस का मंच अब केवल स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की स्मृति तक सीमित नहीं रह सकता। आजादी की अगली परीक्षा यह है कि भारत का युवा अपने सपनों को अवसर में और अवसर को उपलब्धि में बदल पाता है या नहीं। युवा पूछ रहा है, शिक्षा कितनी गुणवत्तापूर्ण होगी? रोजगार कितने मिलेंगे? प्रतियोगी परीक्षाएं कितनी पारदर्शी होंगी? पेपर लीक कब रुकेगा? एआई और ऑटोमेशन के युग में भविष्य की नौकरियां कैसी होंगी? ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं को समान अवसर कैसे मिलेगा? और राजनीति में युवाओं की भागीदारी केवल चुनावी नारों तक सीमित रहेगी या निर्णय- निर्माण में भी उनकी वास्तविक भूमिका बढ़ेगी? यही वे असल सवाल हैं जो 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से निकलने वाले किसी भी युवा-केंद्रित संदेश को सटिका से ऐतिहासिक बना सकते हैं। साथियों बात कर हम संसद का मानसून सत्रः आजादी के 80 वर्ष बाद लोकतांत्रिक संवाद पर सवाल को समझने की करें तो 15 अगस्त के उत्सव से ठीक पहले 13 अगस्त 2026 को संसद का मानसून सत्र समाप्त हुआ। लेकिन इस सत्र ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने एक गंभीर प्रश्न भी छोड़ा है, क्या संसद वह मंच बन पा रही है जहां देश के सबसे महत्वपूर्ण सवालों पर पर्याप्त और सार्थक बहस हो? सत्र के समापन पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लोकसभा की उत्पादकता लगभग 19 प्रतिशत, जबकि राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। 12 विधेयक पारित हुए, लेकिन केवल एक विधेयक पर दोनों सदनों में चर्चा हुई। यहां 39 प्रतिशत का आंकड़ा विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करता है, लेकिन यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यह पूरी संसद की संयुक्त उत्पादकता नहीं बल्कि राज्यसभा की उत्पादकता का आंकड़ा है। लोकसभा का आंकड़ा इससे भी कम रहा। यही अंतर बताता है कि संसदीय कामकाज का संकट कितना गंभीर है। पेपर लीक और परीक्षाओं की पारदर्शिता जैसे युवा- केंद्रित मुद्दों को लेकर विपक्ष के विरोध और सरकार - विपक्ष के बीच टकराव ने सत्र के बड़े हिस्से कोप्रभावित किया। दूसरी ओर सरकार ने विपक्ष पर बार-बार सदन बाधित करने का आरोप लगाया। यह राजनीतिक आरोप- प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन नागरिक के लिए मूल प्रश्न इससे बड़ा है जिस संसद से युवा अपने भविष्य के लिए कानून और नीतियां चाहता है, क्या वहां उसके सवालों पर पर्याप्त चर्चा हो रही है? यही स्वतंत्रता दिवस 2026 का विरोधाभास भी है। एक तरफ देश लोकतंत्र की 80वीं वर्षगांठ की यात्रा का उत्सव मना रहा होगा, दूसरी तरफ संसद के कामकाज पर सवाल खड़े होंगे। इसलिए इस वर्ष तिरंगे के नीचे सबसे जरूरी संदेश शायद यही होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं; परंतु लोकतंत्र बहस, असहमति जवाबदेही और संसदीय कामकाज की संस्कृति का भी सटीकता से नाम है। साथियों बात कर हम युवा आंदोलनों ने बदला राजनीतिक विमर्श को समझने की करें तो, पिछले कुछ सप्ताहों में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन और विरोध भारतीय राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रहे हैं। पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता, रोजगार और शिक्षा जैसे विषय अब केवल परीक्षा-कक्ष की समस्याएं नहीं रह गए हैं; वे राजनीतिक जवाबदेही के प्रश्न बन चुके हैं। युवा पीढ़ी का संदेश साफ है, डिग्री चाहिए, लेकिन उसके साथ अवसर भी चाहिए; परीक्षा चाहिए, लेकिन उसके साथ निष्पक्षता भी चाहिए; विकास चाहिए, लेकिन उसके साथ रोजगार भी चाहिए। यहां 2026 का युवा आंदोलन भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने की क्षमता रखता है। यदि युवा केवल चुनाव के समय मतदाता न रहकर नीति-निर्माण का सक्रिय भागीदार बनता है, तो भारतीय लोकतंत्र का अगला चरण अधिक सहभागी लोकतंत्र का हो सकता है। इसीलिए प्रधानमंत्री के 15 अगस्त के संबोधन में यदि रोजगार, स्किलिंग, एआई, स्टार्टअप, खेल, शिक्षा सुधार, परीक्षा प्रणाली, युवा उद्यमिता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर कोई बड़ा रोडमैप सामने आता है, तो वह इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस को केवल समारोह नहींबल्कि नीति- संदेश का राष्ट्रीय मंच बना सकता है। हालांकि भाषण में क्या घोषणाएं होंगी, यह पहले से निश्चित मानना उचित नहीं होगा।

न्याय में देरी अर्थात न्याय से दूरी: सवालों के कटघरे में मी-लॉर्ड

एनके शर्मा
लेखक

न्याय किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अंतिम शरणस्थली है। जब शासन, प्रशासन, पुलिस या प्रभावशाली व्यक्ति के सामने नागरिक स्वयं को असहाय पाता है, तब उसकी अंतिम उम्मीद अदालत होती है। लेकिन यदि वही अदालत वर्षों तक उसे तारीखों, स्थगनों और प्रक्रियात्मक भूलभुलैया में भटकाती रहे, तो प्रश्न केवल न्यायिक विलंब का नहीं रहता-प्रश्न लोकतंत्र की आत्मा पर लगे उस घाव का हो जाता है, जिसमें कानून की किताब तो खुली रहती है, लेकिन न्याय का द्वार धीरे-धीरे दूर होता जाता है। भारत का न्यायिक परिदृश्य इस संकट को आंकड़ों में भी प्रतिबिंबित करता है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड पर वर्तमान में लगभग पाँच करोड़ लंबित मामलों का विशाल बोझ दिखाई देता है; इनमें लगभग 49.6 लाख मामले दस वर्ष से अधिक पुराने हैं। मार्च 2026 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि केवल उच्च न्यायालयों में 44.75 लाख से अधिक दीवानी मामले लंबित थे। ये आंकड़े महज संख्याएँ नहीं हैं; इनके पीछे करोड़ों मनुष्यों की जिंदगी, संपत्ति, सम्मान, स्वतंत्रता और भविष्य अटके हुए हैं। न्याय में विलंब को केवल ह्लव्यवस्था की मजबूरीह्व कहकर पल्ला झाड़ लेना अब पर्याप्त नहीं है। न्यायाधीशों की रिक्तियां, न्यायालयों की कमी, जटिल प्रक्रियाएं, पुलिस और अभियोजन की कमजोरियां, सरकारी मुकदमों की भरमार और अधिवक्ताओं द्वारा अनावश्यक स्थगन-निश्चित रूप से समस्या के महत्वपूर्ण कारण हैं। स्वयं विधि आयोग दशकों से न्यायिक बकाया और लंबित मामलों की समस्या पर रिपोर्ट देता आया है। लेकिन प्रश्न यह है कि इन कारणों की सूची आखिर कब तक नागरिक के धैर्य की कीमत पर चलती रहेगी? किसी गरीब किसान की जमीन का मुकदमा बीस वर्ष चलता है, किसी परिवार का उत्तराधिकार विवाद अगली पीढ़ी तक पहुंच जाता है, किसी कर्मचारी की सेवा-संबंधी याचिका उसके सेवानिवृत्त होने के बाद सुनवाई में आती है और किसी आपराधिक मामले में आरोपी वर्षों तक मुकदमे की तलवार सिर पर लटकाए जीवन बिताता है। पीड़ित न्याय की प्रतीक्षा में बूढ़ा हो जाता है और कई बार फैसला सुनने के लिए जीवित भी नहीं रहता। ऐसी स्थिति में अदालत का अंतिम फैसला कानूनी रूप से सही हो सकता है, परंतु क्या वह जीवन की दृष्टि से भी न्यायपूर्ण है? यहीं से ह्लन्याय में देरी अर्थात न्याय से दूरीह्व का सबसे कटु सत्य सामने आता है। न्यायपालिका के प्रति सम्मान भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है, लेकिन सम्मान का अर्थ आलोचना से मुक्ति नहीं हो सकता। ह्लमी-लॉर्डह्व संबोधन न्यायाधीश की गरिमा का प्रतीक है; यह किसी व्यक्ति को संविधान से ऊपर स्थापित करने का अधिकार-पत्र नहीं। न्यायाधीश कानून के संरक्षक हैं, कानून के मालिक नहीं। न्यायपालिका स्वतंत्र अवश्य होनी चाहिए, लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से परे होना नहीं हो सकता। सबसे संवेदनशील प्रश्न न्यायिक भ्रष्टाचार का है। इस विषय पर सामान्यीकरण करना निंदनीय होगा, क्योंकि न्यायपालिका में असंख्य ईमानदार न्यायाधीश और अधिवक्ता अत्यंत कठिन परिस्थितियों में निष्पक्षता और संविधान की मयार्दा बनाए हुए हैं। फिर भी, जहां भ्रष्टाचार, पक्षपात, प्रभाव, पेशेवर सांठगांठ अथवा अनुचित हस्तक्षेप की आशंका पैदा करने वाली परिस्थितियां मौजूद हों, वहां मौन स्वयं समस्या को गहरा करता है। भ्रष्टाचार हमेशा रिश्वत की खुली थैली लेकर अदालत के दरवाजे पर खड़ा नहीं होता। कभी वह प्रक्रिया की अपारदर्शिता में छिपता है, कभी अनावश्यक स्थगन में, कभी प्रभावशाली पक्ष को मिलने वाली असाधारण सुविधा की धारणा में, कभी मामलों की प्राथमिकता को लेकर उठते सवालों में और कभी ऐसी व्यवस्था में, जहां आम नागरिक यह समझ ही नहीं पाता कि उसका मामला क्यों वर्षों से वहीं पड़ा है। भ्रष्टाचार का सबसे खतरनाक रूप वह है जिसे साबित करना कठिन हो, लेकिन जिसकी आशंका जनता के विश्वास को भीतर से खोखला करती रहे। यहां न्यायपालिका से एक कठिन लेकिन आवश्यक आत्मप्रश्न अपेक्षित है-क्या आम नागरिक और संसाधन-संपन्न व्यक्ति के लिए न्याय तक पहुंच वास्तव में समान है? जिसके पास वर्षों तक महंगे मुकदमे की लागत उठाने की क्षमता है, वह प्रक्रिया की लंबाई सह सकता है; लेकिन गरीब व्यक्ति के लिए हर तारीख आर्थिक दंड है। इस असमानता को नजरअंदाज करना न्याय के सामाजिक चरित्र से आंखें मूंदना है। दुर्भाग्य यह भी है कि 'तारीख पर तारीख' भारतीय न्यायिक व्यवस्था का व्यंग्य बन चुकी है। स्थगन कभी वास्तविक आवश्यकता हो सकता है, लेकिन जब स्थगन स्वयं मुकदमे की जीवन-रेखा बन जाए, तब प्रक्रिया न्याय की सहायक नहीं, न्याय की बाधा बन जाती है। किसी नागरिक को दस वर्ष बाद यह बताना कि उसका मामला अभी विचाराधीन है, कानून की तकनीकी सफलता हो सकती है, न्याय की नैतिक सफलता नहीं। न्यायालयों में तकनीक आई, ई-फाइलिंग आई, डिजिटल रिकॉर्ड आए और केस-मैनेजमेंट की चर्चा हुई; फिर भी लंबित मामलों का पहाड़ कायम है। यह संकेत देता है कि समस्या केवल कंप्यूटर या बुनियादी ढांचे की नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति, प्राथमिकताओं और जवाबदेही की भी है। अगस्त 2026 में सामने आए आंकड़ों के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय में दस वर्ष से अधिक पुराने हजारों मामले और उच्च न्यायालयों में दशकों पुराने हजारों मामले लंबित हैं। अब समय आ गया है कि न्यायिक सुधार को केवल सरकारी योजना या प्रशासनिक घोषणा न माना जाए।

पक्षियों के गीतों में मानव भाषा के पैटर्न की झलक

डॉ विजय गर्ग
लेखक

पक्षियों के गीत लंबे समय से मनुष्य को आकर्षित करते आए हैं। जंगलों, बगीचों और खेतों में गूंजती पक्षियों की मधुर ध्वनियाँ अत्यंत व्यवस्थित और उद्देश्यपूर्ण प्रतीत होती हैं। सदियों से मनुष्य यह सोचता आया है कि क्या ये गीत केवल प्राकृतिक और जन्मजात पुकारें हैं या इनमें मानव भाषा की संरचना से मिलते-जुलते कुछ पैटर्न भी मौजूद हैं। पशु-संचार के क्षेत्र में हो रहे आधुनिक शोध ने इस प्रश्न को और भी रोचक बना दिया है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पक्षियों के गीतों में कुछ ऐसे सांख्यिकीय पैटर्न भी पाए जा सकते हैं, जो मानव भाषा की विशेषताओं से मिलते-जुलते हैं।

मानव भाषा केवल बेतरतीब ध्वनियों का समूह नहीं है। शब्द और ध्वनियाँ विशेष तरीकों से एक-दूसरे के साथ जुड़ती हैं और कुछ क्रम दूसरों की तुलना में अधिक पूर्वानुमेय होते हैं। भाषावैज्ञानिकों ने पाया है कि मानव भाषाओं में शब्दों और ध्वनियों की व्यवस्था तथा पुनरावृत्ति के कुछ सांख्यिकीय नियम होते हैं। इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण जिप्फ का नियम है, जो शब्दों के उपयोग की आवृत्ति से संबंधित है। कुछ थोड़े से शब्द बहुत अधिक बार प्रयोग किए जाते हैं, जबकि बड़ी संख्या में अन्य शब्द अपेक्षाकृत कम उपयोग होते हैं। पक्षियों के गीतों का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं ने पाया है कि कुछ पक्षियों की ध्वनियों में भी दोहराव, क्रमबद्धता और पूर्वानुमेयता के व्यवस्थित पैटर्न पाए जाते हैं। कुछ प्रजातियों के गीत छोटी-छोटी ध्वनि इकाइयों से बने होते हैं, जिन्हें आगे बड़े क्रमों में व्यवस्थित किया जाता है। ये क्रम कुछ पहचाने जा सकने वाले नियमों का पालन करते दिखाई देते हैं। इससे संकेत मिलता है कि पक्षी अपनी ध्वनियों को पूरी तरह बेतरतीब ढंग से उत्पन्न नहीं करते। लेकिन पक्षियों के गीतों को मानव भाषा समझना उचित नहीं होगा। मानव भाषा में असाधारण लचीलापन है। हम अनगिनत वाक्य बना सकते हैं, भूतकाल और भविष्य की घटनाओं के बारे में बात कर सकते हैं, अमूर्त विचार व्यक्त कर सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं, कहानियाँ सुना सकते हैं और उन चीजों के बारे में जानकारी दे सकते हैं जो उस समय हमारे सामने मौजूद नहीं हैं। इसके विपरीत, पक्षियों के संचार की सीमा और उद्देश्य सामान्यतः काफी सीमित होते हैं। दोनों के बीच समानता मुख्य रूप से पैटर्न और संगठन में है, न कि अर्थ में। किसी पक्षी के गीत में ध्वनि की इकाइयाँ कुछ विशेष संभावनाओं के अनुसार दोहराई और व्यवस्थित की जा सकती हैं। कुछ क्रम सामान्य हो सकते हैं, जबकि कुछ बहुत कम सुनाई दे सकते हैं। इस प्रकार की संरचना वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर सकती है कि जटिल संचार प्रणालियाँ कैसे विकसित होती हैं और मस्तिष्क व्यवस्थित ध्वनियों को किस प्रकार संसाधित करता है। पक्षियों के गीत वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कई पक्षी अपनी ध्वनियाँ सीखते और उत्पन्न करते हैं, जिसका प्रयोगात्मक अध्ययन किया जा सकता है। कई प्रजातियों के युवा गाने वाले पक्षी अपने वयस्क पक्षियों से गीत के कुछ हिस्से सीखते हैं। यह कुछ हद तक उस प्रक्रिया जैसा है, जिसमें मानव बच्चे अपने आसपास के लोगों को सुनकर भाषा सीखते हैं।

इसलिए पक्षियों में गीत सीखने की प्रक्रिया सीखने, स्मृति, अनुकरण और संचार को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक मॉडल बन गई है। पक्षियों के गीतों का अध्ययन संचार और भाषा के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर को भी उजागर करता है। अनेक जीव संचार करते हैं। मधुमक्खियाँ अपने नृत्य के माध्यम से भोजन के स्त्रोतों के बारे में जानकारी देती हैं। व्हेल जटिल ध्वनियाँ उत्पन्न करती हैं। प्राइमेट विभिन्न पुकारों और हाव-भावों का उपयोग करते हैं। पक्षी साथी को आकर्षित करने, अपने क्षेत्र की रक्षा करने, खतरे की चेतावनी देने या सामाजिक संपर्क बनाए रखने के लिए अलग-अलग ध्वनियों का प्रयोग करते हैं। इसलिए संचार प्रकृति में व्यापक रूप से पाया जाता है। मानव भाषा, हालांकि, संचार को प्रतीकात्मक अर्थ और असाधारण रचनात्मकता के साथ जोड़ती है। भाषा के कुछ सीमित तत्वों को अनगिनत तरीकों से जोड़कर नए अर्थ उत्पन्न किए जा सकते हैं। यही क्षमता मानव भाषा को अत्यंत शक्तिशाली बनाती है। फिर भी पक्षियों के गीतों में भाषा जैसे सांख्यिकीय पैटर्न की खोज वैज्ञानिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। यह संकेत देती है कि व्यवस्थित संचार के कुछ सिद्धांत शायद केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं हैं। इसके बजाय, अनुक्रम सीखने, ध्वनियों को व्यवस्थित करने और उनकी भविष्यवाणी करने के कुछ बुनियादी गुण उन जीवों में भी विकसित हो सकते हैं जिन्हें जटिल ध्वनि संकेतों को सीखना और उत्पन्न करना पड़ता है। पक्षियों के गीत वैज्ञानिकों को मानव वाणी की जैविक नींव को समझने में भी मदद कर सकते हैं। गाने वाले पक्षियों में ध्वनियाँ सीखने और उत्पन्न करने से जुड़े मस्तिष्कीय तंत्र जटिल अनुक्रमों को सीखने की प्रक्रिया के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण मॉडल बन गए हैं। शोधकर्ता यह समझने का प्रयास कर सकते हैं कि अनुभव मस्तिष्क के तंत्रिका-परिपथों को किस प्रकार बदलता है और मस्तिष्क सीखे हुए पैटर्न को कैसे याद रखता तथा दोबारा प्रस्तुत करता है। इसके साथ एक विकासवादी प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। क्या पक्षियों के गीतों और मानव भाषा के बीच दिखाई देने वाली समानताएँ साझा जैविक सिद्धांतों के कारण उत्पन्न हुई हैं, या अलग-अलग प्रजातियों ने जटिल ध्वनि संचार सीखने की चुनौती का सामना करते हुए स्वतंत्र रूप से समान समाधान विकसित किए हैं? पक्षियों और मनुष्यों के बीच विकासवादी दूरी बहुत अधिक है। इसलिए उनकी संचार प्रणालियों में दिखाई देने वाली कुछ समानताएँ विज्ञान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकती हैं। इसका यह अर्थ नहीं है कि पक्षी गुप्त रूप से मानव भाषाएँ बोल रहे हैं। इससे एक और गहरी बात सामने आती है: जटिल संचार सीखने, पूवार्नुमान, पुनरावृत्ति और संगठन जैसे साझा सिद्धांतों से प्रभावित हो सकता है। इसलिए पक्षियों के गीत संचार के विज्ञान को समझने के लिए एक आकर्षक खिड़की खोलते हैं। जो धुन हमारे कानों को सरल लग सकती है, उसमें ऐसे जटिल पैटर्न छिपे हो सकते हैं जिनका वैज्ञानिक गणितीय और भाषावैज्ञानिक तरीकों से विश्लेषण कर सकते हैं। सुनने में सुंदर लगने वाला स्वरों का क्रम वास्तव में सीखने और पूर्वानुमान की उन्नत प्रक्रियाओं को प्रतिबिंबित कर सकता है।

अंश निर्धारण से उत्तराधिकार, बंटवारा और नामांतरण होंगे आसान : डीएम

जिलाधिकारी कविता मीना ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए अभियान चलाने और 30 दिन में निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में जनपद में विभिन्न विभागों में संचालित अंश निर्धारण की प्रगति और लंबित प्रकरणों की समीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अंश निर्धारण की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने और लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी खातेदार की मृत्यु के बाद अथवा संयुक्त भूमि के मामलों में प्रत्येक वारिस और सहखातेदार का कितना हिस्सा अथवा अंश है, इसका राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट रूप से अंकन किया जाना आवश्यक है। अंश निर्धारण होने से संबंधित भूमि में प्रत्येक हिस्सेदार की स्थिति स्पष्ट हो जाती है और भविष्य में उत्तराधिकार, बंटवारा तथा नामांतरण की प्रक्रिया भी अधिक सरल और पारदर्शी हो जाती है।

उन्होंने कहा कि भूमि और संपत्ति से जुड़े मामलों में हिस्सेदारी स्पष्ट न होने के कारण कई बार परिवारों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में समय रहते अंश निर्धारण किए जाने से भविष्य में होने वाले भूमि संबंधी विवादों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश शासन और राजस्व परिषद के निदेशों के अनुपालन में जनपद हापुड़ की सभी तहसीलों में भूमि एवं संपत्ति के अंश निर्धारण की कार्यवाही के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान प्राप्त प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए और पात्र मामलों में नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अंश निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भविष्य में भूमि के बंटवारे और नामांतरण से संबंधित मामलों के निस्तारण में भी आसानी होगी। इसके साथ ही राजस्व अभिलेखों में हिस्सेदारों की स्थिति स्पष्ट होने से विवादों की संभावना भी कम होगी। जिलाधिकारी कविता मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अंश निर्धारण के लिए प्राप्त प्रार्थना पत्रों का 30 दिवस के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक रूप से प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई पूरी करते हुए आवेदकों को भी प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अंश निर्धारण केवल राजस्व अभिलेखों को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भूमि संबंधी विवादों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यदि प्रत्येक वारिस और सहखातेदार का हिस्सा राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट रूप से दर्ज रहेगा तो भविष्य में उत्तराधिकार, बंटवारे और नामांतरण के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ अंश निर्धारण की कार्यवाही की जाए, ताकि आम लोगों को भूमि एवं संपत्ति से जुड़े मामलों में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

गढ़मुक्तेश्वर में रोडरेज मामले में दो नामजद आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने करीब 12 दिन पूर्व शिवा ढाबा के पास हुई रोडरेज की घटना में घायल अजीम की उपचार के दौरान हुई मृत्यु के मामले में वांछित/नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद अजीम गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी दौराने उपचार मृत्यु हो गई थी। मामले में नामजद एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पीडीए चौपाल में पदम सिंह जाटव ने किया जनसंवाद, क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। समाजवादी पार्टी की ओर से आयोजित पीडीए चौपाल के दौरान विधानसभा गढ़मुक्तेश्वर के वरिष्ठ नेता पदम सिंह जाटव ने क्षेत्रवासियों से जनसंवाद किया। उन्होंने चौपाल में पहुंचे लोगों से सीधे बातचीत करते हुए उनकी समस्याओं, सुझावों और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। इस दौरान पदम सिंह जाटव ने कहा कि पीडीए चौपाल का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों से संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं को समझकर उन्हें उचित मंच तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठाया जाएगा।चौपाल में मौजूद लोगों ने विभिन्न स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। पदम सिंह जाटव ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता से सीधा संवाद ही लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की मौजूदगी में निकली तिरंगा यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की मौजूदगी में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ई-रिक्शा की 'हर घर तिरंगा यात्रा' निकाली गई। इस दौरान तिरंगे से सजे ई-रिक्शा के माध्यम से देशभक्ति के साथ स्वच्छ ब्रज का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया गया। वृंदावन मंडी स्थित दारुक पार्किंग के पास आयोजित कार्यक्रम में ई-रिक्शा चालकों को यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था और स्वच्छ ब्रज अभियान में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर ई-रिक्शा पर डस्टबिन और स्वच्छता संदेश वाली नेमप्लेट लगाने की शुरूआत भी की गई।

जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी के संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के बाद तिरंगे से सजे ई-रिक्शा की यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यात्रा के दौरान 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया।

दहेज उत्पीड़न के बाद विवाहिता की मौत, भाई ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। कुन्दरकी थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की मौत के मामले में उसके भाई ने ससुराल पक्ष पर दहेज को लेकर उत्पीड़न करने और हत्या का आरोप लगाया है। पीड़ित भाई ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

भरमपुरी निवासी पीतम सिंह के अनुसार, उनकी बहन मिथलेश की शादी वर्ष 2021 में कुन्दरकी निवासी राहुल पुत्र मुन्ना सिंह के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज की मांग को लेकर मिथलेश को परेशान करता था। पीतम सिंह का आरोप है कि 10 अगस्त की रात ससुराल पक्ष के लोगों ने मिथलेश के साथ मारपीट की, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पीड़ित के अनुसार, मामले में 10 अगस्त को थाना कुन्दरकी में मुकदमा दर्ज कराया गया, जिसमें पति राहुल, ससुर मुन्ना सिंह, सास माया, ननद दीक्षा और ह्रदेश को नामजद किया गया है।

पीड़ित ने बताया कि कुछ नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी अभी नहीं हुई है। पीतम सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष की ओर से उन्हें और उनकी दूसरी बहन प्रवेश को धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मिथलेश के तीन छोटे बच्चे वर्तमान में उनके परिवार के पास हैं। बच्चों को लेकर भी दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित भाई ने एसएसपी से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने तथा मामले में शेष आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

रोडवेज बस ने बाइक सवार दंपति को मारी टक्कर पति की मौके पर ही मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़-पिलखुवा। बीते शुक्रवार को पिलखुवा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के गेट के सामने तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना पाकर पिलखुवा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया व शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। प्राप्त शिकायत के अनुसार, बुलंदशहर जिले के थाना चोला क्षेत्र के गांव रसूलपुर रिठौरी निवासी राहुल कुमार पुत्र सोहनपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 7 अगस्त 2026 को करीब 11 बजे उसके भाई बिजेंद्र सिंह और भाभी कमलेश देवी बाइक से गांव रसूलपुर रिठौरी से पिलखुवा की ओर किसी रिश्तेदार को देखने अस्पताल जा रहा रहे थे। जब वे सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के गेट के सामने पहुंचे, तभी रोडवेज बस संख्या वढ78खळ0194 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार बिजेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी कमलेश देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। रोडवेज चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। घायल कमलेश देवी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक के परिजनों ने पिलखुवा कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर रोडवेज बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पिलखुवा थाना प्रभारी अतुल कुमार चौहान ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है मामले मे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रिफाइनरी नगर में जर्जर आवासों का कहर

छज्जा गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल, प्रबंधन पर मामले को दबाने का गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी के आवासीय परिसर रिफाइनरी नगर की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आई है। यहां के एक आवासीय क्वार्टर का अचानक छज्जा गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। इस दुर्घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में प्रबंधन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रिफाइनरी नगर के सेक्टर 6, 7 और 8 के क्वार्टरों की स्थिति बेहद जर्जर हो चुकी है। वहीं सेक्टर 1 और 2 के क्वार्टरों में रहने वाले आईओसियंस को भी काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। रिमझिम-रिमझिम बारिश के दौरान एक क्वार्टरका अचानक छज्जा गिरने से रिफाइनरी में कार्यरत कर्मचारी की पत्नी घायल हो गई, हादसे के तुरंत बाद घायल महिला को मथुरा रिफाइनरी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से महिला का सिटी स्कैन कराने के लिए जेपी डायग्नॉस्टिक ले जाया गया। रिफाइनरी नगर में क्वार्टरों के छज्जा गिरने या छतों से प्लास्टर गिरने की घटनाएं अब आम हो चुकी हैं, आए दिन टाउनशिप के क्वार्टरों में कुछ न कुछ घटनाएं होती रहती हैं, प्रबंधन द्वारा इस हादसे पर पर्दा डालने का प्रयास किया जा रहा है ताकि उनकी लचर कार्यशैली और मेंटेनेंस विभाग की पोल न खुल जाए। नगर वासियों का कहना है कि जब इस तरह की गंभीर घटनाओं को भी छिपाया जाएगा, तो आम कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा?

यह कोई पहली घटना नहीं है। रिफाइनरी नगर के कई सेक्टरों के क्वार्टर लंबे समय से बेहद जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं। छतों और दीवारों से प्लास्टर लगातार उखड़ रहा है। कई जगहों पर दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। निवासियों ने कई बार लिखितऔर मौखिक रूप से प्रबंधन को जर्जर आवासों की मरम्मत के संबंध में अवगत कराया है, लेकिन मेंटेनेंस विभाग की तरफ से हर बार लीपापोती ही की जाती है, धरातल पर कोई ठोस काम नहीं किया जाता। बहरहाल, इस घटना ने रिफाइनरी नगर में रह रहे कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा और गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है।

ग्राम उपैड़ा में चोरी के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार, एसी आउटडोर यूनिट और बाइक बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़ बाबूगढ़। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने ग्राम उपैड़ा में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया एसी का आउटडोर यूनिट तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 209/2026, धारा 305(ए), 331(4), 351(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त विशाल पुत्र उदयवीर, निवासी ग्राम सरावा, थाना शिकारपुर, जनपद बुलंदशहर को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एसी आउटडोर यूनिट तथा घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या यूपी-37--8282 बरामद की गई है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी बाबूगढ़ प्रवीण कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह तथा कांस्टेबल 292 अंकित उपाध्याय शामिल रहे।

पनीर निर्माण इकाई व भंडार पर खाद्य विभाग की छापेमारी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को जनपद हापुड़ में औचक छापेमारी की। कार्रवाई सहायक आयुक्त (खाद्य)-चक्रचंद्रशेखर मिश्र के नेतृत्व में गठित सचल दल द्वारा की गई।टीम ने ग्राम कस्तला कासमाबाद स्थित सतीश उर्फ पूनम चौहान की पनीर निर्माण इकाई पर औचक छापा मारकर पनीर का एक नमूना संग्रहित किया। इसके अलावा पिलखुवा सब्जी मंडी स्थित अनमोल पनीर भंडार पर भी छापेमारी कर पनीर का एक नमूना लिया गया।कार्रवाई के दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार सिंह और आर.पी. गुप्ता मौजूद रहे।खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार दोनों प्रतिष्ठानों से लिए गए पनीर के नमूने जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों ने बताया कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

शिक्षकों का पाँच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण एसकेडीएम महाविद्यालय में जारी

टांडा (वेलकम इंडिया)। विकास खंड भगतपुर-टांडा के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का पाँच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण क्षेत्र के एसकेडीएम महाविद्यालय में जारी है। गुरुवार को बैच 1-2 के तृतीय दिवस के प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी मोहित कुमार एवं एसआरजी डॉ. सचिन शुक्ला प्रशिक्षण कक्ष में उपस्थित हुए। उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा सुगमकताओं से प्रशिक्षण संबंधी जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण के महत्व एवं आवश्यकता पर विस्तृत दिशा-निर्देश देते हुए सभी शिक्षकों से प्रशिक्षण को गंभीरतापूर्वक लेने का आह्वान किया। बीईओ ने कहा कि शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में बच्चों को पूरी लगन के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इस अवसर पर संदर्भदाता एआरपी श्रवण कुमार, विनय कुमार सिंह, सुमन,करुन चौहान,पूर्व एआरपी सुभाषचंद्र, पारुल जैन तथा अभेक्ष प्रताप सिंह ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान गणितीय अवधारणाओं स्थानीय मान, जोड़-घटाव को रोचक एवं सरल विधि से अमूर्त से मूर्त रूप में परिवर्तित कर टीएलएम एवं संदर्शिकाओं पर आधारित नवीन शिक्षण विधियों से बच्चों को दक्ष बनाने हेतु कक्षा शिक्षण की विभिन्न विधियों एवं गतिविधियों पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

राधा रानी मंदिर में हरियाली तीज की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने की बैठक आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बरसाना। आगामी हरियाली तीज पर्व के दृष्टिगत श्री राधा रानी मंदिर बरसाना में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रोपवे कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समन्वय गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार ने संयुक्त रूप से की। गोष्ठी में लिए गए निर्णयों के अनुसार, श्रद्धालु परंपरागत मार्ग–श्रीजी गेट, कटारा पार्क, सुदामा चौक, दादी बाबा मंदिर, सिंगपुर गेट तथा सफेद छतरी के पास से होते हुए मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश करेंगे। दर्शन के पश्चात निकास द्वार से होते हुए जयपुर मंदिर और थाना तिराहा के रास्ते श्रद्धालु अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। अधिकारियों ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग करने तथा श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए उचित स्थानों पर साइनेज बोर्ड लगाने के कड़े निर्देश दिए। इसके अलावा, मेले के दौरान सुचारू चिकित्सा व्यवस्था और व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। गोष्ठी में एसडीएम गोवर्धन, ईओ नगर पंचायत बरसाना, चिकित्सा अधिकारी, लाडली जी मंदिर के रिसीवर डॉ. यज्ञ पुरुष, कीर्ति मंदिर के प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह सहित व्यवस्था से जुड़े अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दून विश्वविद्यालय में नए पुस्तकालय और अत्याधुनिक प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं से किया संवाद, रोजगार, पलायन, एआई और यातायात व्यवस्था पर पूछे गए सवालों के दिए जवाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित केंद्रीय पुस्तकालय भवन और स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस के प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए आधुनिक शिक्षा, शोध और कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में नवस्थापित कम्युनिटी रेडियो 88.4 एफएम का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवनिर्मित केंद्रीय पुस्तकालय भवन और अत्याधुनिक प्रयोगशाला भवन से विद्यार्थियों को अध्ययन, शोध और प्रयोगात्मक शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। आधुनिक संसाधनों से लैस इन भवनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को आगे बढ़ाने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों में आधुनिक संसाधनों के विस्तार से विद्यार्थियों को देश और दुनिया में तेजी से बदलते शैक्षणिक एवं तकनीकी वातावरण के अनुरूप तैयार किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने दून विश्वविद्यालय में नवस्थापित कम्युनिटी रेडियो 88.4 एफएम का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कम्युनिटी रेडियो के कार्यक्रम में युवाओं के नाम अपना संदेश रिकॉर्ड किया। उन्होंने युवाओं से जीवन पथ पर निरंतर सीखते रहने, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने और अपने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए समर्पित भाव से प्रयास करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इसके साथ ही विद्यार्थी जनहित, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा और समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी बात व्यापक स्तर तक पहुंचा सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। विद्यार्थियों ने पलायन रोकने, युवाओं को रोजगार से जोड़ने, उत्तराखंड को उच्च शिक्षा का हब बनाने, विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में अवसर बढ़ाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में रोजगार की संभावनाओं और देहरादून में लगातार बढ़ रही यातायात जाम की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री से सवाल पूछे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते हुए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और भविष्य की कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के साथ-साथ राज्य में शिक्षा, पर्यटन, उद्योग और तकनीकी क्षेत्र को मजबूत करने पर सरकार का विशेष जोर है। पलायन रोकने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने से संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में अब रिवर्स माइग्रेशन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और सौर स्वरोजगार योजना सहित पर्यटन, उद्योग और फिल्म नीति के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को भी सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि स्थानीय स्तर पर आजीविका के साधन बढ़ाए जा सकें और लोगों को रोजगार के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता कम हो। उच्च शिक्षा को मजबूत करने से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

नई टिहरी में हर घर तिरंगा अभियान के प्रचार वाहन को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हर घर तिरंगा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए नई टिहरी में प्रचार वाहन को डीएम नितिका खंडेलवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने जिले में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों और तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने जिलेवासियों से अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना प्रदर्शित करने का आह्वान किया। डीएम ने केंद्रीय संचार ब्यूरो, देहरादून की ओर से नई टिहरी में आयोजित की जा रही फोटो प्रदर्शनी की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में 'हर घर तिरंगा', 'विभाजन की विभीषिका' और 'वंदे मातरम' जैसे विषयों के माध्यम से देश की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय ध्वज की यात्रा और राष्ट्रभक्ति से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। सीबीसी के कार्यक्रम अधिकारी अनिल दत्त शर्मा ने 14 और 15 अगस्त को नई टिहरी में आयोजित होने वाले एकीकृत संचार एवं आउटरीच कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े संदेशों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

प्रदेश में लखपति दीदियों की संख्या 03 लाख 03 हजार के आंकड़े को पार कर चुकी है

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में नया इतिहास रचा है। सरकार के भगीरथ प्रयासों से प्रदेश में लखपति दीदियों की संख्या 03 लाख 03 हजार के आंकड़े को पार कर चुकी है। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 में एक लाख 12 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य को निर्धारित अवधि से पहले हासिल करने के लिए संबंधित विभाग जुट गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि मातृशक्ति उत्तराखण्ड की आर्थिक और सामाजिक क्रांति की सबसे बड़ी संवाहक है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि राज्य के विकास में भी अग्रणीय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों को विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, ताकि उनकी आय के नए स्रोत विकसित हो सकें। हमारी सरकार हर स्तर पर मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं । धामी सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नारी सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं। इसी के तहत नवंबर 2022 से लखपति दीदी योजना शुरू की गई है। धामी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत इरादों से यह योजना साल दर साल नया रिकॉर्ड कायम कर रही है। जो भी सालाना लक्ष्य रखा गया, निर्धारित अवधि से पहले ही हासिल कर लिया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक 03 लाख 03 हजार 696 महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इन महिलाओं ने अपनी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक पहुंचाकर आत्मनिर्भरता की शानदार मिसाल पेश की है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं प्रदेश सरकार की अनुदानित एवं ऋण योजनाओं के माध्यम से विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से अपनी आर्थिकी को मजबूती दे रही हैं। खास तौर पर जैविक खेती, फूड प्रोसेसिंग, मसाला निर्माण, हस्तशिल्प, डेयरी-पशुपालन, मौन पालन, मशरूम उत्पादन, होमस्टे संचालन जैसे व्यवसायों को महिलाओं ने अपनाया है। मिलेट से तैयार बेकरी उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए महिलाएं यह उत्पाद भी तैयार कर रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रोसेसिंग, बिक्री और बाजारों तक आसान पहुंच के लिए प्रदेश सरकार ने विशेष व्यवस्था बनाई है। इसके लिए 24 ग्रोथ सेंटर, 33 नैनो पैकेजिंग यूनिट और 17 सरस सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। बड़े बाजारों से जोड़ने के लिए जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर सरस मेलों का आयोजन किया जा रहा है। धामी सरकार की पहल पर ₹हाउस ऑफ हिमालयाज₹ ब्रांड ने महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है। स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता में सुधार होने से महानगरों और प्रमुख शहरों में इन उत्पादों की मांग बढ़ी है।

उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूहों की महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य लगातार जारी है। प्रदेश के सभी 13 जनपदों के 95 ब्लाकों में कुल 5,19,943 महिलाओं को संगठित कर 70,767 समूह, 8179 ग्राम संगठन और 615 कलस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) तैयार किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में उठाए गए कदम मिसाल बने हैं। महिलाओं को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और सहकारी समितियों में 33 फीसदी आरक्षण इस दिशा में सरकार के ऐतिहासिक फैसले हैं। इसके अलावा विभिन्न योजनाएं भी सरकार ने शुरू की हैं।

अनुसूचित जाति-जनजाति के युवाओं को मोटर साइकिल रिपेयरिंग व सिलाई का प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में चार माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुरुष वर्ग के लिए मोटर साइकिल रिपेयरिंग तथा महिला वर्ग के लिए सिलाई ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु के ऐसे व्यक्ति पात्र होंगे, जो न्यूनतम कक्षा आठ पास हों और जनपद सिद्धार्थनगर के निवासी हों। इच्छुक अभ्यर्थी उद्योग विभाग के ई-पोर्टल msme.up.gov.in पर आवेदक लॉगिन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी भी पोर्टल पर उपलब्ध है। आवेदन में किसी प्रकार की असुविधा होने पर अभ्यर्थी जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर में किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक संपर्क कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त 2026 को शाम पांच बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। यह जानकारी उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र ने दी।

कस्बे में निकाली गई तिरंगा यात्रा, गूंजे देशभक्ति के नारे

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत गुरुवार को बिस्कोहर मंडल में एक भव्य तिरंगा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी के नेतृत्व में निकाली गई इस विशाल यात्रा की शुरूआत सुबह ठीक 9:30 बजे कस्बे के ऐतिहासिक परशुराम तिराहा पर सामूहिक 'जन-गण-मन' गायन के साथ हुई। इसके बाद देशभक्ति के गीतों और गगनभेदी नारों के बीच यह यात्रा मंगल बाजार रोड, मुख्य कस्बा, चौक रोड व उत्तर यादव डीह मार्ग से होते हुए दोपहर 11:15 बजे अटल नगर बेलवा स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस राष्ट्रीय उत्सव में पूर्व माध्यमिक विद्यालय व बीआईसीटी सहित विभिन्न स्थानीय शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं और उनके शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आयोजक नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता के साथ-साथ मंडल अध्यक्ष कुंवर जी मिश्रा, शिव जी तिवारी, राम नरेश पासवान, मनीराम प्रजापति, कन्हैया वरुण, सचिन गुप्ता, अमन चौरसिया, रोहित कुमार गौतम, मोनू गुप्ता, सुरेश प्रजापति, आशीष श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव, लाल जायसवाल, संजय पांडे, जे पी पाण्डेय, लवकुश शुक्ला, सूर्यमणि चौधरी, बलराम मिश्रा, नृपेंद्र प्रताप सिंह, रवि सिंह, अमित पांडे, अजीत मौर्या, जितेंद्र मौर्य, लालू नाइक और शिवपति उपाध्याय सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए त्रिलोकपुर थानाध्यक्ष हरे कृष्ण उपाध्याय और नगर चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही पूरी पुलिस टीम के साथ यात्रा के दौरान मुस्तैद रहे।

युवा सराफा कमेटी द्वारा करौली में किया गया भव्य फूल बंगला, छप्पन भोग एवं माता की चौकी का आयोजन

वेलकम इंडिया/डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

मथुरा। युवा सराफा कमेटी (रजि.) द्वारा माँ कैलादेवी भवन, करौली राजस्थान में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता से ओत-प्रोत भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर फूल बंगला, छप्पन भोग, माता की चौकी एवं कन्या-लांगुर प्रसादी का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया।जिसमें मथुरा से पहुंचे कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

संस्थापक मुकुल अग्रवाल व राधाकिशन ने बताया की सर्वप्रथम मइया को छप्पन भोग एवं विशेष पोशाक अर्पित किया गया। इसके पश्चात स्थानीय धर्मशाला में मथुरा से पधारे सभी सदस्यों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। संध्या समय माता की चौकी में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ माता का गुणगान किया। वहीं कन्या-लांगुर की प्रसादी की व्यवस्था भी कमेटी द्वारा की गई।

कमेटी के अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल एवं महामंत्री पियूष खंडेलवाल द्वारा सभी सदस्यों का दुपट्टा उड़ा कर स्वागत किया गय। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चेतन अग्रवाल, अंकित गर्ग, आशीष गोयल, दीपक सिंघल, टिन्नू वर्मा, गौरहरी बंसल, मनीष भार्गव, पराग अग्रवाल आनंद अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, सौरभ, कपिल, अनुज, मनोज, शिवम्, मुकेश सहित कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

स्कूल वाहनों की फिटनेस और सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं: जिलाधिकारी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। गुरुवार को जिला विद्यालय यान सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में अंबेडकर सभागार में विद्यालय प्रबंधकों के साथ हुई। बैठक में डीएम ने स्कूल वाहनों की सुरक्षा और वैधानिक मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जो वाहन विद्यालय के संचालन में नहीं हैं अथवा कटवाकर समाप्त किए जा चुके हैं, लेकिन आरटीओ कार्यालय के अभिलेखों में दर्ज हैं, उनका नियमानुसार पंजीयन निरस्त कराया जाए। जिन वाहनों की फिटनेस, परमिट या अन्य जरूरी प्रपत्र समाप्त हो चुके हैं, उन्हें बच्चों के आवागमन में कतई प्रयोग न किया जाए। 15 वर्ष पुराने वाहनों का भी विद्यालय में बच्चों के परिवहन के लिए संचालन नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रत्येक स्कूल वाहन में बच्चों की सुरक्षा और निगरानी के लिए अटेंडेंट की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने को कहा। विद्यालय द्वारा बेचे गए वाहनों का स्वामित्व समय से दूसरे व्यक्ति के नाम स्थानांतरित कराने के निर्देश दिए। डीएम ने चेतावनी दी कि अनफिट या अधूरे प्रपत्र वाले वाहन संचालित पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एआरटीओ संजय कुमार सिंह समेत संबंधित अधिकारी और विद्यालय प्रबंधक मौजूद रहे।

गोवर्धन क्षेत्र में नहीं थम रहीं ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाएं

ब्रज वाटिका कॉलोनी में 250 केवी का ट्रांसफार्मर चोरी करने का प्रयास, लोगों की सजगता से बचा ट्रांसफार्मर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना गोवर्धन क्षेत्र में ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगता नजर नहीं आ रहा है। अड़ींग पुलिस चौकी क्षेत्र की ब्रज वाटिका कॉलोनी में बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात चोरों ने विद्युत आपूर्ति के लिए लगाए गए 250 केवी के ट्रांसफार्मर को चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि स्थानीय लोगों की सजगता और समय पर सूचना मिलने के कारण चोर अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके और ट्रांसफार्मर चोरी होने से बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 12-13 अगस्त की रात करीब तीन बजे ब्रज वाटिका कॉलोनी की बिजली अचानक गुल हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना बिजलीघर को दी। सूचना मिलने पर लाइनमैन देवीराम मौके पर ट्रांसफार्मर की स्थिति देखने पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने एक बिना नंबर की अर्टिगा कार खड़ी देखी। लाइनमैन के अनुसार जैसे ही वह मौके पर पहुंचे और संदिग्ध गतिविधि का आभास हुआ, बिना नंबर की अर्टिगा कार वहां से तेजी से निकल गई। मौके पर जाकर देखा गया तो विद्युत विभाग द्वारा लगाया गया 250 केवी का ट्रांसफार्मर खंभे से नीचे गिरा हुआ था और खुला पड़ा था। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने ट्रांसफार्मर को खंभे से नीचे गिराकर उसके अंदर से कीमती सामान निकालने और उसे चोरी करने का प्रयास किया था। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। रात में ही 112 नंबर की पुलिस गाड़ी मौके पर पहुंची। इसके बाद चौकी पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई।

स्थानीय लोगों की सजगता के चलते चोर ट्रांसफार्मर को पूरी तरह चोरी कर ले जाने में सफल नहीं हो सके। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच भी सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। थाना गोवर्धन क्षेत्र में ट्रांसफार्मर चोरी अथवा उसके अंदर से कीमती सामान निकालने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले कल्याण करोति के पास भी चोरों ने ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया था। वहां ट्रांसफार्मर के अंदर से चोरी की घटना सामने आने के बाद पुलिस-प्रशासन में भी हड़कंप मच गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली के ट्रांसफार्मर चोरों के लिए आसान निशाना बन रहे हैं। रात के समय सुनसान स्थानों पर लगे ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा को लेकर भी प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। अब सवाल यह है कि थाना गोवर्धन क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे ट्रांसफार्मर चोरों पर पुलिस पूरी तरह कब तक अंकुश लगा पाएगी। हाल की घटना में ट्रांसफार्मर चोरी होने से जरूर बच गया, लेकिन लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए पुलिस के सामने इस गिरोह पर पूरी तरह शिकंजा कसने की चुनौती बनी हुई है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत, तीन गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव जसाला के निकट भारत पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार को तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़ने के बजाय लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। हायर सेंटर ले जाते समय एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना भवन थाना क्षेत्र के गांव भैसानी इस्लामपुर निवासी आस मोहम्मद अपने पुत्र सोहेल और वारिश के साथ बाइक पर सवार होकर गांव गंगेरू में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। तीनों लोग बाइक से जसाला गांव के निकट भारत पेट्रोल पंप के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आए ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। कुछ ही देर में 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल आस मोहम्मद, सोहेल तथा वारिश को उपचार के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में वारिश की हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर जैसे ही परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल और बाद में पोस्टमार्टम गृह पहुंचे। हादसे से गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। उधर, सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक की तलाश में जुटी है।समाचार लिखे जाने तक मामले में परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

कांवड़ियों के स्वागत में उमड़ा आस्था का सैलाब फूल-मालाओं से सम्मान कर हरिद्वार के लिए किया रवाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। सावन माह के पावन पर्व के अवसर पर गुरुवार 13 अगस्त को 127 विधानसभा पीलीभीत के ब्लॉक अमरिया क्षेत्र में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सतेंद्र मौर्य के अनुज भाई एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य जितेंद्र मौर्य ने कांवड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान कांवड़ियों को सहयोग प्रदान कर उनकी हरिद्वार यात्रा के लिए रवाना किया गया।अमरिया ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न गांवों से दर्जनों कांवड़िए हरिद्वार के लिए रवाना हुए। कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर वापस अपने-अपने गांवों के मंदिरों तक पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ यात्रा को लेकर क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।स्वागत कार्यक्रम के दौरान गांव के सैकड़ों महिला-पुरुष मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए पुष्पमालाओं से स्वागत किया और उनकी सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्यामा चरण मौर्य, मोहित वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के नगर उपाध्यक्ष अशोक सैनी, देवकुमार मौर्य, पुनीत कुमार सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने कांवड़ियों को सावधानीपूर्वक यात्रा करने तथा सकुशल वापस लौटने की शुभकामनाएं दीं।सतेंद्र मौर्य और जितेंद्र मौर्य की ओर से किए गए स्वागत-सम्मान से कांवड़ियों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने भी धार्मिक आस्था से जुड़े इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भागीदारी की। कांवड़ियों की रवानगी के दौरान क्षेत्र में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। सावन के पावन माह में आयोजित इस कार्यक्रम ने क्षेत्र में धार्मिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

पुलिस ने निकाली तिरंगा यात्रा, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

कांधला (मोहसीन रहमानी)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को सीओ कैराना हेमंत कुमार एवं थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने नगर में तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जिसका विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों और लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए।सीओ कैराना हेमंत कुमार ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देता है। सभी नागरिक राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करें और देश की तरक्की व सामाजिक सौहार्द में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने युवाओं से देशहित में आगे बढ़कर कार्य करने की अपील की। तिरंगा यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों को राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रप्रेम के प्रति जागरूक किया। यात्रा को लेकर नगरवासियों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। इस दौरान सीनियर उप निरीक्षक अमित कुमार, रणवीर सिंह, ओंकारनाथ पांडे, रामकिशन, साहित्य क्षेत्र की पुलिस चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पीलीभीत में भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार शामिल हुए। बाइक सवार भाजपा कार्यकर्ताओं की विशाल तिरंगा यात्रा से शहर का माहौल राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया और मार्गभर भारत माता के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।तिरंगा यात्रा का शुभारंभ ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज से हुआ। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बाइकों पर सवार होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरे। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। यात्रा पीलीभीत नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रामा इंटर कॉलेज पहुंची, जहां इसका समापन किया गया।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। तिरंगों से सजा शहर और देशभक्ति के नारों ने स्वतंत्रता दिवस के उत्साह को और बढ़ा दिया। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करता है।तिरंगा यात्रा में पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, अनुराग अग्निहोत्री, ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार, अमरिया ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, युवा मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष धर्म विजय सिंह गंगवार, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, विकास श्रीवास्तव, रेखा सिंह परिहार, अतिंदर पाल सिंह, मानसिंह राठौर, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, विकास वाल्मीकि, अमित कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार, जिला सह मीडिया प्रभारी दीपक सोनकर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।इसके अलावा विजय सिंह गंगवार, डालचंद वर्मा, चेतन शर्मा, भीम सिंह चौहान, हर्षित चौधरी, प्रतीक पांडे, रजनीश पांडे, अमित वाल्मीकि, धीरेन्द्र मिश्रा, सुमित गंगवार, शशिबाला कटियार, पुष्पा उपाध्याय, अंकुर गुप्ता, रत्ना शुक्ला, विपिन कुमार, मनोज मिश्रा, शिवनारायण शर्मा, अक्लीम मलिक, विवेक शुक्ला, प्यारेलाल कश्यप, अमनदीप मिश्रा समेत जिले भर से भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

दहेज हत्या के मामले में फरार सोनू को लालगन्ज पुलिस ने किया गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। लालगन्ज कोतवाली अन्तर्गत रानीगंज कैथोला चौकी इन्चार्ज दीपक कुमार ने दहेज हत्या मामले में फरार चल रहे सोनू को बसन्तगज चौराहे से गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है। प्राप्त सूचनानुसार लालगन्ज कोतवाली मे दिनांक 2/8/26 को शिकायत दर्ज हुई थी कि एक विवाहित से उसके ससुराल चाले तीस हजार रूपए की माग कर रहे थे । जिसके लिए उसे जमकर मारापीटा गया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी । जिसमे सोनू आरोपित था । जो क्षेत्र के बसन्त चौराहे पर खडा है इसकी सूचना मुखबिर से लालगन्ज कोतवाल को मिलने पर उन्होने चौकी इन्चार्ज को भेजा । पुलिस को देख सोनू भागने लगा जिसे दौडाकर चौकी इन्चार्ज दीपक कुमार और उनकी टीम धर दबोचा।

भाकियू टिकैत ने निकाला तिरंगा ट्रैक्टर मार्च, किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट की ओर से गुरुवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर तिरंगा ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। दोपहर करीब 12 बजे सिरसा चौराहे से शुरू हुआ मार्च नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। ट्रैक्टरों पर तिरंगा लगाकर निकले किसानों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए किसानों के हितों से जुड़े मुद्दे उठाए। तिरंगा ट्रैक्टर मार्च सिरसा चौराहे से शुरू होकर मोहल्ला कायस्थान, एलआईसी चौराहा, तिरंगा चौराहा और पुलिस चौकी होते हुए स्टेशन रोड से गुजरा। इसके बाद मार्च वापस सिरसा चौराहे पर पहुंचा। यहां भाकियू पदाधिकारियों और किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने मांगों का जल्द निस्तारण कराने की मांग की। ज्ञापन में किसानों के गन्ने का बकाया भुगतान शीघ्र कराने, यूरिया, डीएपी समेत अन्य खाद निर्धारित दरों पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने और खाद की कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। किसानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती बंद कर सिंचाई के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग भी की। किसानों ने आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, अतिवृष्टि और जलभराव से प्रभावित फसलों का निष्पक्ष सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। इसके अलावा खतौनी, वरासत, नामांतरण और सीमांकन जैसी राजस्व संबंधी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण कराने पर भी जोर दिया गया।ज्ञापन में नहरों और सरकारी नलकूपों की मरम्मत, सरकारी खरीद केंद्रों पर निष्पक्ष तौल एवं खरीद सुनिश्चित कराने तथा कृषि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने की मांग की गई। संगठन ने तहसील स्तर पर नियमित किसान समस्या समाधान शिविर लगाए जाने की भी मांग रखी।

एलम में कपड़े की दुकान से नकदी चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम में कपड़े की दुकान से हुई नकदी चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए 4,700 रुपये बरामद किए हैं। दोनों आरोपित कांधला के मोहल्ला शेखजादगान के रहने वाले हैं। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई कर आरोपियों का चालान कर दिया है।पुलिस के अनुसार चार दिन पूर्व कस्बा एलम स्थित आनन्द की कपड़े की दुकान में अज्ञात चोर ने नकदी चोरी कर ली थी। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी थी।पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देश पर चोरी व लूट की घटनाओं के पदार्फाश के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान असलम पुत्र सलीम और मंसाद पुत्र नशरा, निवासी मोहल्ला शेखजादगान, कांधला के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से चोरी की 4,700 रुपये की नकदी बरामद की। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है।

इदरीस बैग विहार कॉलोनी में जलभराव से बढ़ी परेशानी, स्कूल नहीं जा पा रहे बच्चे

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। देहात क्षेत्र की इदरीस बैग विहार कॉलोनी में बारिश के बाद जलभराव की समस्या से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कॉलोनी की गलियां और रास्ते पानी से लबालब हैं। कई दिनों से पानी जमा होने के कारण लोगों को घरों से बाहर निकलने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के चलते सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। कई बच्चे पानी भरी गलियों के कारण नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश होने के बाद कॉलोनी की गलियों में पानी भर जाता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी कई दिनों तक जमा रहता है। पैदल राहगीरों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। कई स्थानों पर जलभराव घरों के आसपास तक पहुंच गया है। इससे लोगों को सामान और बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है।मोहल्ला निवासी साकिब, आदिल, भूरा और दिलशाद ने बताया कि जलभराव के कारण बच्चों की पढ़ाई सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। छोटे बच्चों को पानी से होकर स्कूल भेजना अभिभावकों के लिए जोखिम भरा है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने के कारण प्रत्येक बारिश में उन्हें इसी परेशानी से जूझना पड़ता है।कई दिनों से गलियों में पानी जमा रहने के कारण गंदगी भी फैलने लगी है। जलभराव के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे लोगों में संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने जल निकासी की व्यवस्था कराने के साथ ही कीटनाशक दवा का छिड़काव कराने की मांग की है।मोहल्लेवासियों का आरोप है कि जलभराव की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान के अलावा खंड विकास कार्यालय के अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराने, नालियों की सफाई कराने और जलभराव से निजात दिलाने की मांग की है।

भभीसा के पवन हत्याकांड में चार दोषियों को फांसी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा निवासी पवन कुमार हत्याकांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने चारों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार ने बताया कि 14 जुलाई 2014 को किसान अशोक कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था। अशोक कुमार के अनुसार, उनका छोटा भाई पवन कुमार अपने मकान में बैठकर अखबार पढ़ रहा था। इसी दौरान कार सवार बदमाशों ने उस पर गोली चला दी, जिससे पवन कुमार की मौत हो गई। मुकदमे में रामवीर निवासी पीरखेड़ा थाना झिंझाना, राजीव उर्फ छोटू, अमित निवासी रामनगर बड़ौत, राहुल उर्फ बोसी, कुख्यात बदमाश विपुल खूनी निवासी भभीसा और हरेन्द्र निवासी कंजरखेड़ी बाबरी को नामजद किया गया था।न्यायालय ने छह अगस्त को मामले में चार आरोपियों को दोषी करार दिया था। गुरुवार को अदालत ने चारों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। फैसले के बाद मृतक के भाई अशोक कुमार ने कहा कि उनका परिवार न्यायालय के निर्णय से संतुष्ट है। उन्होंने बताया कि मुकदमे के दौरान उन्हें कई बार धमकियां मिलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और न्याय की लड़ाई जारी रखी। अशोक कुमार ने बताया कि आरोपियों को फांसी की सजा सुनाए जाने की जानकारी उनके भतीजे आदित्य ने फोन कर दी, जिसके बाद परिवार में फैसले को लेकर संतोष की भावना है। और बताया कि गांव में विपुल उर्फ खूनी की दहशत से गांव में दहशत का माहौल था जब से पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है तो गांव में अमन और शांति है।

महुली हादसे के पीड़ित परिवार से मिले प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, बंधाया ढांढस

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग एवं जनपद के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने गुरुवार को ग्राम गोड़े पहुंचकर शहीद सुबेदार सुधाकर सिंह के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शहीद के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रभारी मंत्री ने शहीद सुबेदार सुधाकर सिंह के परिजनों से मिलकर उनका हालचाल जाना और शहीद के राष्ट्र के प्रति समर्पण एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान राष्ट्र के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। शहीद के परिजनों के प्रति समाज और सरकार की जिम्मेदारी हमेशा बनी रहेगी। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने शहीद सुबेदार सुधाकर सिंह की पत्नी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके उपरान्त उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग एवं जनपद के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई हृदयविदारक दुर्घटना को लेकर महुली गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। प्रभारी मंत्री ने हादसे में प्रभावित परिवार के सदस्य अमन श्रीवास्तव एवं अन्य परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया तथा दुर्घटना में दिवंगत सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से घटना की जानकारी लेते हुए इस दुःख की घड़ी में उनके प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा कि महुली की घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। प्रभारी मंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार एवं असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भी पीड़ित परिवार की आवश्यकताओं एवं उपलब्ध कराई जा रही सहायता के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बंदरबोझ, नोजलहा नकटाह व रमनगरा में गूंजी देशभक्ति, निकली भव्य तिरंगा रैली

पूरनपुर/पीलीभीत। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत वाइब्रेंट विलेज क्षेत्र की ग्राम पंचायत बंदरबोझ, नोजलहा नकटाह और रमनगरा में गुरुवार को भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में ग्रामीणों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। गांव की गलियों में भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। तिरंगा रैली के दौरान ग्रामीणों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश के प्रति समर्पण का संदेश दिया। युवाओं के साथ ही ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली के दौरान जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के प्रति लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना और हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाना रहा। ग्रामीणों से अपने घरों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा तिरंगे की गरिमा बनाए रखने की अपील की गई।

खुटार-पूरनपुर हाईवे पर बस से टकराई बाइक, दो कांवड़िये घायल

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पीलीभीत। खुटार- पूरनपुर हाईवे पर गुरुवार शाम कांवड़ियों की वेशभूषा में बाइक से जा रहे दो युवक हादसे का शिकार हो गए। चौकी गढ़वा खेड़ा से आगे बाइक सवारों की मोटर साइकिल आगे चल रही बस के पीछे जा टकराई। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर भिजवाया।पुलिस के अनुसार घटना 13 अगस्त 2026 को शाम करीब 4:21 बजे की है। हादसे में धीरज पुत्र नन्हेलाल निवासी ग्राम गोपालपुर, थाना पूरनपुर, जनपद पीलीभीत, उम्र करीब 25 वर्ष तथा सरनजीत पुत्र रामपाल निवासी ग्राम महौलिया, थाना बंडा, जनपद शाहजहांपुर, उम्र करीब 22 वर्ष घायल हुए हैं। दोनों युवक कांवड़ियों की वेशभूषा में बाइक से जा रहे थे।घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी पूरनपुर भेजा। चिकित्सकों ने सरनजीत की हालत सामान्य बताई है, जबकि धीरज की हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल पीलीभीत रेफर कर दिया गया।पुलिस अधिकारियों द्वारा संबंधित चिकित्सकों की टीम से संपर्क कर घायल धीरज को समुचित एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया है। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थितिग का जायजा लिया और यातायात व्यवस्था को भी सामान्य कराया।पुलिस के मुताबिक घटना के बाद मौके पर कानून एवं शांति-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। हादसे को लेकर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। दुर्घटना के कारणों और अन्य तथ्यों की पड़ताल करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के चुनाव में डॉ. जावेद अख्तर अंसारी और डॉ. हिमांशु चौधरी की हुई शानदार जीत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ, शाखा संत कबीर नगर के चुनाव में चिकित्सकों ने नई कार्यकारिणी का गठन किया। चुनाव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरियावां में वर्तमान में तैनात डॉ. जावेद अख्तर अंसारी और डॉ. हिमांशु चौधरी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं। दोनों चिकित्सकों के निर्वाचन से साथी चिकित्सकों में खुशी का माहौल है और उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। चुनाव में डॉ. जावेद अख्तर अंसारी को उपाध्यक्ष (सामान्य) पद पर निर्वाचित किया गया, जबकि डॉ. हिमांशु चौधरी को वित्त सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों चिकित्सक वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरियावां में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सहकर्मियों ने उम्मीद जताई कि दोनों चिकित्सक संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ करेंगे। निर्वाचन के बाद डॉ. जावेद अख्तर अंसारी ने सभी चिकित्सक साथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह जीत व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सभी चिकित्सक साथियों के विश्वास और सहयोग की जीत है। संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं डॉ. हिमांशु चौधरी ने भी निर्वाचन पर सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वित्त सचिव के रूप में संगठन के हित में पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और चिकित्सक साथियों के हितों के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही।

दोनों निर्वाचित चिकित्सकों ने विशेष रूप से सुपरिंटेंडेंट डॉ. सुरेश चंद्र के मार्गदर्शन, सहयोग और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठों का मार्गदर्शन संगठन को मजबूती देने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके सहयोग से नई जिम्मेदारियों का बेहतर तरीके से निर्वहन करने में प्रेरणा मिलेगी। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ, शाखा संत कबीर नगर की नवगठित कार्यकारिणी में अन्य पदों पर भी चिकित्सकों का निर्वाचन हुआ है। अध्यक्ष पद पर डॉ. कृष्णपाल सिंह, उपाध्यक्ष (महिला) पद पर डॉ. शिप्रा सिंह, उपाध्यक्ष (सामान्य) पद पर डॉ. रामशिला, सचिव पद पर डॉ. विनोद कुमार राव, सदस्य केंद्रीय कार्यकारिणी पद पर डॉ. श्वेतांक सिंह तथा संपादक पद पर डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी निर्वाचित हुए हैं। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद चिकित्सकों और संगठन के सदस्यों ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

इरफान हत्याकांड का वांछित आरोपी वसीम अकरम उर्फ पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार 118 अपराधिक मामला

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में आरोपी बदमाश वसीम अकरम उर्फ वसीम लम्बू ने दिल्ली पुलिस की हिरासत से भागने की कोशिश की। मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर बाथरूम जाने के बहाने पुलिस की गाड़ी से उतरने के बाद उसने दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल की सर्विस पिस्टल छीन ली और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इस दौरान सब-इंस्पेक्टर अजय कुमार के बाजू में गोली लगी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वसीम के पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। उसके कब्जे से कॉन्स्टेबल से छीनी गई सर्विस पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ की टीम ने डीसीपी आकांक्षा यादव और इंस्पेक्टर सोमिल शर्मा की अगुवाई में वसीम अकरम को 10 अगस्त को पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम से गिरफ्तार किया था। वह जहांगीरपुरी थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में आरोपी था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम उसे पश्चिम बंगाल से ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लेकर लौट रही थी। रास्ते में उसने भागने की कोशिश की। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, एनकाउंटर में घायल वसीम का प्राथमिक उपचार कराया गया है। मंगलवार रात करीब 12:15 बजे टीम मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 63-64 के बीच पहुंची। तभी वसीम ने बाथरूम जाने की बात कही। पुलिसकर्मी उसे सड़क किनारे ले गए।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान को लेकर हुई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान को लेकर बैठक की। यह बैठक बुधवार को खलीलाबाद के गोला बाजार स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय के नेतृत्व में हुई इस बैठक में एआईसीसी पर्यवेक्षक किशोर कुमार, अमित जायसवाल और जितेंद्र पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पर्यवेक्षकों ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि संगठन सृजन अभियान में पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। इसमें प्रत्येक कार्यकर्ता से मिलकर उनकी राय ली जाएगी। सभी ब्लॉक अध्यक्षों के साथ उनके ब्लॉकों में कार्यकताओं की बैठकें आयोजित की जाएंगी।कार्यकताओं की सहमति के आधार पर एक मजबूत संगठन का गठन किया जाएगा। इसकी अंतिम रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को सौंपी जाएगी। पर्यवेक्षकों ने बताया कि जिले में संगठन सृजन की प्रक्रिया इसी महीने पूरी करने का लक्ष्य है।पर्यवेक्षक जिले में रहकर इस अभियान को गति देने के साथ इसकी निगरानी भी करेंगे। इसका उद्देश्य आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी को एक मजबूत संगठन उपलब्ध कराना है। जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय ने कहा कि पर्यवेक्षकों ने संतकबीरनगर के कार्यकताओं पर जो भरोसा जताया है, उसे पूरी तरह पूरा किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा को तीनों विधानसभा क्षेत्रों में हराने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। बैठक में जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद नजीर, शांति देवी, दिलशाद अफसर, सुनील कुमार पांडेय, अरुण कुमार पांडेय, दयाशंकर चौधरी, जमाल अहमद, हरि चौधरी, विजय कुमार शुक्ला, जयप्रकाश पांडेय, अजय सिंह, तारिक हुसैन, अतीक सिद्दीकी, रियाज प्रधान, मोइन अंसारी, रमेश पांडेय, फैजान खान, चंद्रमणि त्रिपाठी, अयाजुल हक, नीलम चतुर्वेदी, पप्पू चौबे, रामलोट यादव, सुग्रीव पासवान, रमेश चौधरी, निसार, वीरेंद्र मद्धेशिया, अहमद, सतीश साहनी, अखिलेश शर्मा, महेश कुमार, विजय विश्वकर्मा, बिट्टू सिंह, राजन लाला, विनय पांडेय, पिंटू सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगरपंचायत मगहर का वार्ड नम्बर 10 शेरपुर बदहाली के कगार पर

यहां बनी सड़कें व नालियां हैं टूटी, राहगीरों का चलना हुआ मुश्किल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। नगर पंचायत मगहर का वार्ड नंबर 10 शेरपुर इन दिनों बदहाली का दंश झेल रहा है।वार्ड में जगह-जगह टूटी सड़कें और क्षतिग्रस्त नालियां वार्ड की पहचान के साथ ही लोगों के लिए परेशानी का सबब भी बनी हुई हैं। सड़कों की हालत खराब होने के कारण राहगीरों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।वहीं नालियों की समुचित सफाई और मरम्मत नहीं होने से गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है।जरा सी बरसात होने पर स्थिति और बदतर होजाती है। एडवोकेट नसीम हुसैन खान व मोहल्लेवासियों का कहना है कि वार्ड में जलनिकासी की व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण थोड़ी सी बारिश होते ही नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है। इससे लोगों को कीचड़ और गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। कई स्थानों पर सड़क और नाली के बीच अंतर भी स्पष्ट नहीं रह जाता, जिससे पैदल चलने वाले लोगों को काफी सावधानी बरतनी पड़ती है।वार्ड की टूटी सड़कों के कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को होती है। जगह-जगह गड्ढे होने से बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है।आड़े कहा कि लंबे समय से सड़क और नालियों की मरम्मत की आवश्यकता महसूस की जा रही है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।वहीं, वार्ड में जगह-जगह फैली गंदगी से भी लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। कूड़ा-कचरा और गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इससे जानलेवा बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।लोगों ने नियमित साफ-सफाई, नालियों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त कराने की मांग करते हुये कहा कि नगर पंचायत की ओर से वार्ड की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराया जाना चाहिए। टूटी सड़कों की मरम्मत के साथ क्षतिग्रस्त नालियों का निर्माण कराया जाए, ताकि बारिश के दौरान गंदा पानी सड़कों पर न फैले। लोगों ने नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराने की मांग की है।समय रहते सड़क, नाली और सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो बरसात के दौरान वार्ड की स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से वार्ड नंबर 10 शेरपुर में विशेष सफाई अभियान चलाने तथा सड़क और नाली निर्माण का कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है। इस सम्बंध में पूछे जाने पर सभासद प्रतिनिधि सुहेल अख्तर ने कहा कि हां उनका वार्ड बदहाल है छाप दीजिये।सड़कें नालियां टूट गयी हैं।गन्दा पानी सड़क पर आजाता है।इसके लिये पम्पसेट से पानी निकलवाना पड़ता है।लेकिन कब तक। आगे बताया कि 15वें में यह कार्य होजाएगा।

एसडीएम, सीओ सहित विभिन्न अधिकारियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर जिले में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर देशभक्ति का माहौल है। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर बृहस्पतिवार को एसडीएम हृदयराम तिवारी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान सीओ सदर प्रियम राज शेखर पाण्डेय समेत अधिकारी मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा के बाद भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकताओं ने भुजैनी में जिला अध्यक्ष प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने सभी फसलों के लिए सी2+50 प्रतिशत के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, किसानों व खेतिहर मजदूरों की व्यापक कर्जमाफी तथा आत्महत्या पीड़ित किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग की। किसानों ने चारों श्रम संहिताओं को रद्द करने, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम ₹42 हजार प्रतिमाह वेतन, मनरेगा को मजबूत करते हुए 200 दिन रोजगार और ₹700 प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। इसके अलावा बिजली संशोधन विधेयक-2026, बीज विधेयक-2026 और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने, भूमि अधिग्रहण में किसानों के अधिकारों की रक्षा, फसल एवं पशुधन बीमा योजना लागू करने तथा सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत करने की मांग की गई।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद ने जनसेवा की कायम मिसाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। 'मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।' ये पंक्तियां ब्लॉक प्रमुख सेमरियावां मुमताज अहमद के व्यक्तित्व पर पूरी तरह चरितार्थ होती हैं। पिछले तीन दिनों से अस्वस्थ होने के कारण उनका जनसंपर्क अभियान कुछ समय के लिए रुका रहा, लेकिन लगातार कमजोरी के बावजूद उन्होंने एक बार फिर पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरकर जनसंपर्क अभियान को नई गति दी। जनता के बीच उनका उत्साह, सरल व्यवहार और हर घर तक पहुंचने का संकल्प साफ दिखाई दिया। उन्होंने ग्राम पंचायत उपधी, गंगौली, पुरैना, चिउटना, पिड़वा सहित दर्जनों गांवों में घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों का हालचाल जाना, उनकी समस्याएं सुनीं और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। अस्वस्थता के बावजूद मुमताज अहमद का जनता के बीच पहुंचना उनके सेवा भाव और क्षेत्रवासियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने लोगों से आत्मीयता से मुलाकात की और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर बातचीत की। ग्रामीणों ने भी उनके इस प्रयास की सराहना की। बीमारी भी उनके जनसेवा के जज्बे को रोक नहीं सकी। यही समर्पण, संघर्ष और जनता के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें क्षेत्र की जनता के बीच अलग पहचान दिलाती है। जनसंपर्क का यह अभियान केवल लोगों से मुलाकात तक सीमित नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और भरोसे को मजबूत करने की यात्रा के रूप में आगे बढ़ रहा है। मुमताज अहमद का यह कारवां लगातार आगे बढ़ रहा है और वह गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद कर रहे हैं।

भाकियू ने तिरंगा यात्रा के बाद राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बृहस्पतिवार को भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ चौधरी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा के बाद राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी सदर हृदयराम तिवारी को सौंपा। इस दौरान काफी संख्या में किसान मौजूद रहे। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में किसानो ने तिरंगा यात्रा निकालने के बाद राष्ट्रपति को सम्बोधित नौ सूत्रीय मांग पत्र उपजिलाधिकारी सदर हृदय राम तिवारी को सौंपा। जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ चौधरी ने बताया कि भारत अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता नही संसद में बिना किसी चर्चा के अपनाये गये सभी मौजूदा मुक्त व्यापार समझौते को रद किया जाय जो भारतीय कृषि, उद्योग, श्रमिकों और राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव ड़ालते हों, एमएसपी की गारंटी और सुशिक्षित सरकारी खरीद के लिए कानून बनाया जाय सहित नौ मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया है।

दो वरिष्ठ पत्रकारों जी.एल. वेदांती एवं गुलाम अली के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीर नगर। जनपद के दो वरिष्ठ पत्रकार जी.एल. वेदांती एवं गुलाम अली का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। दोनों वरिष्ठ पत्रकारों के निधन का समाचार मिलते ही पत्रकारिता जगत सहित पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे पत्रकारों एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोगों में गहरा दुःख व्याप्त है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने दोनों वरिष्ठ पत्रकारों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जी.एल. वेदांती एवं गुलाम अली ने पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दीं। दोनों पत्रकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से जनसरोकारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया तथा समाज और क्षेत्र की समस्याओं को समाचारों के माध्यम से सामने लाने का कार्य किया। सौरभ त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और पत्रकार का दायित्व समाज की आवाज को मजबूती के साथ सामने रखना है। दोनों वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने पत्रकारिता जीवन में इस जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन किया। उनके अनुभव, सरल स्वभाव, सामाजिक सरोकार और पत्रकारिता के प्रति समर्पण साथी पत्रकारों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे।

उन्होंने कहा कि जी.एल. वेदांती एवं गुलाम अली का निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। दोनों पत्रकारों ने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में क्षेत्र की अनेक समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत ने अपने दो अनुभवी और समर्पित साथियों को खो दिया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने कहा कि दोनों दिवंगत पत्रकारों की कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। उनके द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में किए गए कार्य और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ी के पत्रकारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत रहेगी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की ओर से दोनों दिवंगत पत्रकारों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। इसी क्रम में मंडल उपाध्यक्ष महेन्द्र श्रीवास्तव, मंडल प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर, जिला महामंत्री मोहम्मद आफताब आलम अंसारी, सत्यप्रकाश वर्मा, तहसील अध्यक्ष अतीक अहमद, महबूब पठान, अश्वनी पाण्डेय, अतहरूल बारी, मोहम्मद अदनान, मसरूर अहमद आदि ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त किये हैं।

ग्राम विकास अधिकारी के साथ एडीओ की जिम्मेदारी, अवनीश कुमार ने कार्यशैली से छोड़ी अलग छाप

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड पूरनपुर में अपनी कार्यशैली, सक्रियता और बेहतर समन्वय के जरिए अलग पहचान बनाने वाले ग्राम विकास अधिकारी अवनीश कुमार इन दिनों अतिरिक्त जिम्मेदारियों का भी बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। ग्राम विकास अधिकारी के दायित्व के साथ सहायक विकास अधिकारी की जिम्मेदारी संभालते हुए वह विकास कार्यों की निगरानी से लेकर कर्मचारियों के साथ समन्वय और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान तक लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं।अवनीश कुमार की कार्यशैली की खासियत यह है कि वह जिम्मेदारी को महज पद तक सीमित न रखकर उसे धरातल पर परिणाम देने का माध्यम मानते हैं। पंचायत स्तर पर संचालित विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही वह संबंधित कर्मचारियों से लगातार संपर्क में रहते हैं। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसके समाधान को लेकर भी गंभीरता से प्रयास करते हैं। सहायक विकास अधिकारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके सामने काम का दायरा और जिम्मेदारियां दोनों बढ़ी हैं। इसके बावजूद वह कार्यों की प्राथमिकता तय कर योजनाओं को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। ग्राम पंचायतों से जुड़े विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रखने के साथ वह कर्मचारियों को भी बेहतर तालमेल के साथ काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। ग्रामीणों की समस्याएं सुनना और उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर पहल करना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्रामीणों से जुड़े मामलों में वह उनकी बात गंभीरता से सुनते हैं और समस्या के समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के लिए तत्पर रहते हैं। इससे ग्रामीणों के बीच भी उनके प्रति सकारात्मक विश्वास बन रहा है। अवनीश कुमार का मानना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय बेहद जरूरी है। इसी सोच के साथ वह टीम भावना से कार्य करने पर जोर देते हैं। उनके प्रयासों से विकासखंड स्तर पर कार्यों में बेहतर तालमेल और सक्रियता दे रही है। विकास कार्यों की निगरानी, कर्मचारियों से समन्वय और ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता देने की उनकी कार्यशैली उनकी कार्यक्षमता को दर्शाती है। यही वजह है कि अतिरिक्त जिम्मेदारी के बावजूद काम के प्रति उनकी सक्रियता और सकारात्मक रवैया लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समीति द्वारा हरियाली तीज के उपलक्ष में किया कार्यक्रम आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति (पंजी)के द्वारा हरियाली तीज के उपलक्ष्य मे शहर के एक होटल मे कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे वैश्य परिवारो की सभी महिलाएं सोलह श्रृगांर कर आयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ शहर विधायिका डा. मन्जू शिवाच व दिविज्ञा केयर फाउंडेशन की निर्देशक गौरी जैन तथा संगठन की संरक्षिका सीमा गुप्ता व मीना तायल ने प्रदेश चेयरमैन डा. वर्षा गुप्ता के साथ दीप प्रवज्जलित करके किया। तत्पश्चात शहर विधायिका डा. मंजू शिविच व गौरी जैन का स्वागत सम्मान स्वरूप पटका पहनाकर समन्वय समिति की सदस्या एकता अग्रवाल, कल्पना गुप्ता, शालिनी गर्ग, मुदिता जैन,शालू जिन्दल व प्रतिभा गर्ग ने किया।सभी अतिथि का स्वागत सताक्षी, रिचा स्वाति और नैना मोदी ने तिलक लगाकर, फूल बरसाकर, प्यार भरा धागा बाँधकर और एक उपहार देकर किया। सावन के सुन्दर गीत को गाकर मीना तायल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शानदार बनाया गरिमा सिंघल के नृत्य ने, हरियाली तीज के इस उत्सव मे प्रतिभा, मानसी, नैना, इविका ने तीज के रंग भरे। महमूद व शक्तिकपूर की खूबसूरत अदा को जीया एकता अग्रवाल (बैक कालोनी) ने, कार्यक्रम को बहुत सुन्दर बनाया सोनाक्षी व डा. रिचा गर्ग ने, महिला सशक्तिकरण मे नाट्य रंग भरा रीमा अग्रवाल, नैना अग्रवाल, नीरू गोयल और रश्मि गुप्ता ने.. इस कार्यक्रम को तैयार परिधीअग्रवाल ने करवाया। कार्यक्रम मे प्रभा व रीतू गोयल ने भजन व काव्य का पाठ गाया।

कुछ प्रशनोतरी ने करी गयी प्रतिभा द्वारा दोस्ती व स्वतन्त्रता दिवस,शालिनी गर्ग ने तीज पर,एकता अग्रवाल ने रक्षाबंधन पर प्रश्न पूछे व सही उत्तर देने वाले को सम्मानित किया। एक मनोरंजक गेम कल्पना गुप्ता व शालू जिन्दल ने कराया। तम्बोला मुदिता ने कराया। डा. वर्षा गुप्ता द्वारा आठ मंगलवार करने वाली आठ महिलाओं को सम्मान स्वरूप एक छोटा उपहार देकर सम्मानित किया व मन्जू व रश्मि को नियम पूर्वक आठ मंगलवार मे आने के लिए सम्मानित किया। मुख्य अतिथि गौरी जैन ने संरक्षिका मीना तायल, सीमा गुप्ता व प्रदेश चेयरमैन डा. वर्षा गुप्ता के साथ नम्बर निकाल कर तीज क्वीन प्रभा गुप्ता की घोषणा करी तथा सैशे, ताज पहनाकर व उपहार देकर उन्हे सम्मानित किया।कार्यक्रम के उपरान्त डा. मन्जू शिवाच व गौरी जैन का उद्बोधन हुआ। उन्होने सभी महिला शक्ति को तीज की बधाईयाँ दी। प्रदेश चेयरमैन डा. वर्षा गुप्ता ने तीज की बधाईया दी व तीज की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समापन पर एकता अग्रवाल ने सभी आगुन्तको का आभार व्यक्त किया व कल्पना गुप्ता ने सभी को भोजन के लिए निवेदन किया।

पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए दिया धरना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने, आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई तथा पुलिस की कथित कार्यप्रणाली के विरोध में गुरुवार को मोदीनगर थाने के बाहर शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना प्रशासन के आश्वासन के बाद फिलहाल स्थगित कर दिया गया।धरने में सुबह से ही बड़ी संख्या में शहरवासी, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, सभासद, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं कश्यप समाज के लोग पहुंचे। आंदोलनकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन की ओर से वार्ता का प्रस्ताव दिया गया। इसके बाद आंदोलनकारियों के प्रतिनिधिमंडल और प्रशासन के बीच थाने में करीब आधे घंटे तक वार्ता हुई। देवव्रत धामा और सुनील शर्मा अध्यक्ष कांग्रेस मोदीनगर बृजेश कुमार सेन ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं के साथ हुई कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। चेतावनी दी कि यदि प्रशासन द्वारा वादे के अनुरूप जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलनकारी पुनः धरना शुरू करने के लिए विवश होंगे। धरने में अध्यक्ष कांग्रेस मोदीनगर बृजेश कुमार सेन, समाजवादी पार्टी से वरिष्ठ समाजवादी नेता सुरेंद्र त्यागी,शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष कल्पना सिंह, फारुख मलिक, नगर अध्यक्ष पतला; सालिम तोमर; विधानसभा उपाध्यक्ष राजेश जाटव; पूर्व नगर अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा दीनू खान, चंद्रवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष, सभासद संघर्ष समिति के अध्यक्ष वेदप्रकाश चौधरी सहित गुलाब, सोनू, सूबे सिंह, रजनीश चौधरी, प्रदीप शर्मा आदि सभासद मौजूद रहे।

आदर्श जनता इंटर कॉलेज में क्षेत्रीय विद्यालीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कस्बा फरीदनगर स्थित आदर्श जनता इंटर कॉलेज में क्षेत्रीय विद्यालीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय को कुश्ती प्रतियोगिता कराने जिम्मेदारी मिली थी। प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि मोदीनगर की विधायक डॉ मंजू शिवाच ने प्रतियोगिता का शुभारंभ हनुमान जी की मूर्ति के समक्ष फूल माला चढ़ा कर किया। प्रतियोगिता में क्षेत्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य,खेल शिक्षकों एवं क्षेत्र के सभ्रांत व्यक्तियों ने कुश्ती प्रतियोगिता का आनंद लिया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रेम चौधरी के अनुसार विद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्यों, प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों द्वारा अतिथियों को पटके पहनकर स्वागत किया गया। इस प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका पहलवानों के द्वारा अपने दांव पेचो का भरपूर प्रदर्शन किया गया। रेफरी का कार्य अंतरराष्ट्रीय पहलवान अभिषेक चौधरी खंजरपुर एवं दीपक अमराला के द्वारा किया गया।स्कोरर की भूमिका में पहलवान वीरेंद्र सिंह त्यागी निवाडी रहे। शारीरिक शिक्षक अशोक कुमार के ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। प्रतियोगिता के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह तोमर के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

भोजपुर थाना क्षेत्र गांव नाहली में खाद्य सुरक्षा टीम की छापेमारी

तीन डेयरियों से 1038 किलो पनीर और खोया नष्ट

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव नाहली में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने देर रात विशेष अभियान चलाकर मिलावटी पनीर और खोया बनाने वाली तीन डेयरियों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में पनीर, खोया और मिलावट में प्रयुक्त होने वाले रसायन बरामद हुए।

टीम ने मौके पर ही 868 किलोग्राम पनीर और 170 किलोग्राम खोया, कुल 1038 किलोग्राम खाद्य पदार्थ नष्ट करा दिया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी गाजियाबाद के निर्देश पर 12-13 अगस्त की रात करीब 11 बजे ग्राम नाहली स्थित मैसर्स तोमर डेयरी, कलवा डेयरी और शकील डेयरी पर एक साथ छापेमारी की गई।

जांच के दौरान पनीर और खोया निर्माण में मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक अपमिश्रकों एवं रसायनों के उपयोग के प्रमाण मिले।खाद्य सुरक्षा टीम के अनुसार शकील डेयरी से स्किम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति, रानीपाल (व्हाइटनिंग एजेंट) और अन्य अपमिश्रक रसायन मिले। कलवा डेयरी में रिफाइंड पामोलीन ऑयल और अपमिश्रक रसायन, जबकि तोमर डेयरी से वनस्पति और सफेद पाउडर बरामद हुआ, जिनका उपयोग पनीर निर्माण में किया जा रहा था।

टीम ने तीनों इकाइयों से पनीर, खोया, वनस्पति, स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड पाम ऑयल, एसिटिक एसिड, सफेद चूर्ण, रानीपाल, दूध और क्रीम सहित कुल 20 नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे हैं। निरीक्षण के दौरान तीनों डेयरियों के परिसर अत्यंत अस्वच्छ और गंदगी युक्त पाए गए।

कार्रवाई के दौरान 25 किलोग्राम सफेद पाउडर, 4 किलोग्राम वनस्पति और 153 किलोग्राम रिफाइंड पामोलीन ऑयल भी जब्त किया गया। खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थों के उपयोग को देखते हुए तीनों डेयरी संचालकों के विरुद्ध थाना भोजपुर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराने के लिए विभाग ने आवेदन दे दिया है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-कक सुरेश कुमार मिश्र ने बताया कि जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण और बिक्री के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शासन के आदेश के पालन के क्रम में एवं अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र के निर्देशन में गुरुवार को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

राष्ट्र भावना को समर्पित इस विशाल तिरंगा यात्रा में डॉ के.एन. मोदी साइंस एंड कॉमर्स इंटर कॉलेज के छात्रों एवम एन एनसीसी कैडेट के द्वारा बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया गया। तिरंगा यात्रा को डॉ के.एन. मोदी स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, यह यात्रा बस स्टैंण्ड से होते हुए राज चौपले पर आकर समाप्त हुई। समापन के पश्चात राज चौपले पर स्थित शहीद स्मारक को नमन किया गया। नगर पालिका की ओर से सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दिनेश कुमार, एनसीसी ऑफिसर प्रवीण कुमार जेनर एवं राजीव कुमार और एनवायरनमेंट क्लब (एनसीसी) मोदीनगर के सदस्य एवं पालिका की एस बी एम टीम मौजूद रही।

सैदपुर में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा, बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की नीतियों पर चलने का लिया संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मोदीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम सैदपुर में गुरुवार को एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में गांव के किसान, मजदूर, बुजुर्ग, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरे गांव में देशभक्ति के नारों और हाथों में तिरंगा लेकर निकाली गई यात्रा ने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।तिरंगा यात्रा का नेतृत्व ग्राम अध्यक्ष सैदपुर एवं तहसील सचिव मोदीनगर चौधरी आकाश राठी ने किया। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और तिरंगे के सम्मान से जुड़े नारों के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने किसान नेता चौधरी बाबा महेंद्र सिंह टिकैत को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनकी नीतियों और सिद्धांतों पर चलने का संकल्प भी लिया। चौधरी आकाश राठी ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित, किसान हित और सामाजिक एकता के लिए सदैव आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष का जो मार्ग दिखाया, उसी मार्ग पर चलकर समाज और किसानों को संगठित किया जाएगा। इस अवसर पर चौधरी कुशल वीर गुलैया, चौधरी मनोज गुलैया, चौधरी जोगिंदर तेवतिया (ग्राम युवा अध्यक्ष), चौधरी सहनसरपाल राठी तथा चौधरी सुदेश पाल सहित अनेक ग्रामीण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने तिरंगे के सम्मान की रक्षा करने और गांव में आपसी भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया। ग्राम सैदपुर में आयोजित तिरंगा यात्रा को ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सफल बनाया और स्वतंत्रता दिवस के प्रति अपने सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया।

जमीन बेचने का झांसा देकर गाजियाबाद के कारोबारी से 50 लाख की ठगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। राजस्थान के सीकर में जमीन बेचने का झांसा देकर गाजियाबाद के एक कारोबारी से 50 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जमीन के दस्तावेज उपलब्ध कराने का भरोसा देकर कारोबारी से बयाने के तौर पर रकम ली गई, लेकिन बाद में जमीन और उसके स्वामित्व से जुड़े दस्तावेजों को लेकर मामला संदिग्ध हो गया। पीड़ित की शिकायत पर नगर कोतवाली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोटगांव निवासी श्रीकांत जमीन की खरीद-फरोख्त का कारोबार करते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह राजस्थान के सीकर जिले में प्लाटिंग के लिए जमीन की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान सालासर रोड, सदर सीकर निवासी पंकज वोचिवाल को उनके जमीन तलाशने की जानकारी हुई। आरोप है कि पंकज उनके गाजियाबाद स्थित कार्यालय पहुंचा और सीकर के गांव अलोदा में स्थित कई खसरा नंबरों की जमीन को अपनी बताते हुए उसे बेचने की पेशकश की। श्रीकांत के मुताबिक नवंबर 2024 में पंकज दोबारा उनके कार्यालय पहुंचा। जमीन के दस्तावेज और फर्द मांगे जाने पर उसने बताया कि दातारामगढ़ तहसील में राजस्व विभाग की वेबसाइट पर काम चल रहा है, जिसके कारण फर्द की नकल फिलहाल उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उसने भरोसा दिलाया कि पहले जमीन का इकरारनामा कर लिया जाए और दस्तावेज बाद में उपलब्ध करा दिए जाएंगे। इसके बाद टाइप कराया हुआ इकरारनामा लेकर पंकज उनके कार्यालय पहुंचा। जमीन का सौदा 49 लाख 51 हजार रुपये प्रति पक्की बीघा के हिसाब से तय होने की बात कही गई। इसके बाद श्रीकांत ने बयाने के रूप में 50 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। इसमें 20 लाख रुपये अलग-अलग चेक के माध्यम से और 30 लाख रुपये नकद दिए गए।

गांव भोवापुर मे स्थायी लोक अदालत की जानकारी के लिए साक्षरता शिविर का आयोजन

- छात्र व छात्राऐ एंव महिलाऐ सोशल मिडिया पर अपनी निजी फोटो न डाले- पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा स्थायी लोक अदालत जिला सत्र न्यायालय में प्रति दिन कार्य दिवस पर लगती है, मोदीनगर- उतर प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेश पर जिला जज विनोद कुमार रावत अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण पर नेहा बनौधिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश पर ग्राम भोवापुर, एम0डी0एस0 हायर सेकेन्ड्री स्कूल में स्थायी लोक अदालत एंव साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता रीता सिंह अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत गाजियाबाद ने की, शिविर का संचालन पैनल अधिवक्त संजय मुदगल द्वारा किया गया। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया कि माता पिता और वरिष्ठ नागरिको का भरण पोषण एंव कल्याण अधिनियम 2007 में भारत के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कानून है। जनपद गाजियबाद में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987, की धारा 22 वी की उपधारा (1) के अधीन स्थायी लोक अदालत स्थापित है एंव कार्यरत है। रीता सिंह अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत गाजियाबाद ने बताया कि जो भी कैदी जेल में बन्द है तथा उसकी पैरवी करने वाला कोई भी नही है, उसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निशुल्क अधिवक्ता मिलते है। शिविर में नायब सहसीलदार प्रवीन गुप्ता, लेखपाल धर्मेन्द्र चौधरी, डिफेन्स कान्उसलर अनीता प्रजापति, सुनीता सिंह, पेनल अधिवक्ता सुमन, स्कूल प्रबन्धक मुनेस्वर दत्त शर्मा, मनोहर लाल शर्मा, जयदत्त शौनक, शिवदत्त शौनक, सोमदत्त शर्मा, कालू, विपिन शर्मा, पैरा लीगल वोलिन्टर नीलम गास्वामी, मनीषा, राहुल कुमार, कीर्ति सिंह, अधिवक्ता सपना, उमंग किशोर, आदि उपस्थित रहे।

पंचायतों में प्रशासक तो फिर विधानसभा के लिए अलग कसौटी क्यों? : ब्रजवीर दहिया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। ऑल इंडिया पंचायत राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर दहिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ग्रामीण लोकतंत्र को लगातार कमजोर किया जा रहा है। संविधान पंचायतों के पांच वर्षीय कार्यकाल और समयबद्ध चुनाव की व्यवस्था करता है, लेकिन पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों की जगह प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने की तैयारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ब्रजवीर दहिया ने कहा, 'जब ग्राम पंचायतों में जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों की जगह प्रशासनिक व्यवस्था लागू की जा सकती है, तो लोकतंत्र की यही कसौटी विधानसभा के स्तर पर क्यों नहीं होनी चाहिए? कानून और लोकतंत्र सभी के लिए समान होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि देश में 'एक देश-एक चुनाव' की व्यवस्था की चर्चा हो रही है। ऐसे में ऑल इंडिया पंचायत राज संगठन की मांग है कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव 2029 में एक साथ कराने की व्यवस्था बनती है, तो उत्तर प्रदेश में भी 2027 के विधानसभा चुनाव के बजाय 2029 तक की संवैधानिक व्यवस्था पर विचार किया जाए तथा आवश्यकता होने पर राष्ट्रपति शासन को भी संवैधानिक विकल्प के रूप में अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शासन उत्तर प्रदेश के लिए कोई नई व्यवस्था नहीं है। प्रदेश पहले भी इसका अनुभव कर चुका है। जब संविधान के अंतर्गत ऐसी व्यवस्था का प्रावधान है, तो इस पर लोकतांत्रिक और संवैधानिक दृष्टि से बहस क्यों नहीं हो सकती? दहिया ने कहा, 'ग्राम पंचायत लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है। अगर गांव के लोकतंत्र को कमजोर किया जाएगा तो देश का लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। हमारी मांग किसी दल या व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि समान लोकतांत्रिक अधिकार और सत्ता के विकेंद्रीकरण के पक्ष में है।'

रोज बेल स्कूल में गूंजा देशप्रेम का संदेश, विद्यार्थियों को बांटी तिरंगा सामग्री

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजय नगर स्थित रोज बेल पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के बीच ध्वजारोहण सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहर विधायक संजीव शर्मा ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज एवं संबंधित पट्टियां वितरित कीं। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के गौरव को सर्वोपरि रखने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। बच्चों में राष्ट्रीय भावना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मोर्चा के महानगर अध्यक्ष बलप्रीत सिंह, शहर मंडल अध्यक्ष महीम गुप्ता, अजय चोपड़ा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्य धर्मजीत कौर और मैनेजर सरदार जोगिंदर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय परिवार ने बताया कि राष्ट्रीय पर्वों के प्रति विद्यार्थियों में उत्साह बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रभक्ति के मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से यह पहल की गई। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डीएम ने खुद बाइक चलाकर संभाली तिरंगा रैली की कमान, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

तिरंगे के रंग में रंगा गाजियाबाद, डीएम की अगुवाई में निकली भव्य बाइक रैली

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन एवं सिविल डिफेंस की ओर से गुरुवार को भव्य तिरंगा बाइक एवं स्कूटी रैली निकाली गई। कविनगर रामलीला मैदान से शुरू हुई रैली को मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप समेत सिविल डिफेंस के अधिकारी, वार्डन, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। खास बात रही कि जिलाधिकारी ने स्वयं बाइक चलाकर रैली का नेतृत्व किया। रैली हापुड़ रोड, संतोष अस्पताल, अंबेडकर रोड, चौधरी मोड़ और घंटाघर होते हुए शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थल पहुंची। यहां पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद प्रतिभागी ठाकुरद्वारा तिराहे स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल पहुंचे और श्रद्धांजलि दी।

रैली के दौरान नागरिकों ने तिरंगा लहराकर स्वागत किया। प्रतिभागियों ने लोगों से घरों, प्रतिष्ठानों और कार्यालयों पर तिरंगा फहराने तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने की अपील की। देशभक्ति के नारों और गीतों से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

50 लाख के 315 मोबाइल बरामद, पुलिस ने मालिकों को लौटाए

खोया मोबाइल फिर मिला, 315 लोगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्रामीण जोन पुलिस ने चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में बड़ी सफलता हासिल की है। विभिन्न थानों की पुलिस के साथ साइबर और सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, उएक्सपोर्टल और मैनुअल इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग कंपनियों के 315 मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने पहचान और सत्यापन के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। पुलिस के अनुसार, ग्रामीण जोन के विभिन्न थानों में मोबाइल चोरी और गुम होने की शिकायतें दर्ज थीं। इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए साइबर टीम ने उएक्सप्र (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण किया। इसके साथ ही सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद से मोबाइल की लोकेशन और तकनीकी जानकारी जुटाई गई। थानावार बरामदगी में मसूरी से 59, मोदीनगर से 47, लोनी बॉर्डर से 44, मुरादनगर से 35, ट्रोनिका सिटी से 30, भोजपुर से 28, अंकुर विहार से 27, निवाड़ी से 23 और लोनी से 22 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

विवेक मित्तल (सीए) बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के निदेशक नियुक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के कॉरपोरेट अफेयर्स डेस्क ने विवेक मित्तल (सीए) को बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड (बीएलसी) के निदेशक मंडल में गैर-सरकारी निदेशक (नॉन-ऑफिशियल डायरेक्टर) नियुक्त किया है। मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार सक्षम प्राधिकारी ने विवेक मित्तल सहित दो व्यक्तियों की नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की है।

12 अगस्त 2026 को जारी आदेश में बताया गया है कि विवेक मित्तल की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है। यह अवधि आदेश जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो। विवेक मित्तल को श्रेणी ए (५) के अंतर्गत गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के उप सचिव रवि पांडे की ओर से जारी इस आदेश की प्रति संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को भी भेजी गई है। बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के निदेशक मंडल में विवेक मित्तल की नियुक्ति को कंपनी के संचालन एवं नीतिगत स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। विवेक मित्तल की इस नियुक्ति पर गाज़ियाबाद की तमाम संस्थाएं और लोगों द्वारा उन्हें बधाई दी जा रही है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर रहे है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले गाजियाबाद में हाई अलर्ट, रेलवे स्टेशन से मॉल-ढाबों तक सघन चेकिंग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर गाजियाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। गुरुवार को एसीपी कोतवाली नगर श्रीमती उपासना पाण्डेय ने बीडीडीएस, एएस चेक टीम, डॉग स्क्वाड, आरपीएफ और विजयनगर पुलिस के साथ गाजियाबाद रेलवे स्टेशन का सघन निरीक्षण किया। स्टेशन परिसर में यात्रियों, संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की गहनता से जांच की गई।

अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इसी क्रम में एसीपी वेवसिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने वेवसिटी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पुलिस टीम ने बीडीडीएस, एएस चेक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ विभिन्न मॉल, ढाबों और सार्वजनिक स्थलों पर चेकिंग अभियान चलाया। संदिग्ध वस्तुओं व व्यक्तियों की जांच के साथ प्रतिष्ठान संचालकों को भी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए गए।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस की निगरानी और चेकिंग लगातार जारी रहेगी।

35 साल की रामलीला कमेटी में पहली बार हिसाब-किताब पारदर्शी

- बैलेंस शीट के साथ ऑडिटेड रिटर्न फाइल, 16.52 लाख रुपये का खर्च सार्वजनिक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। प्रताप विहार स्थित 35 वर्ष पुरानी श्री रामचरितमानस रामलीला कमेटी ने वित्तीय पारदर्शिता की दिशा में अहम कदम उठाया है। एसडी रॉयल बैंक्विट हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में कमेटी ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का ब्यौरा सार्वजनिक किया। अध्यक्ष पं. राजेश शर्मा ने बताया कि पहली बार कमेटी की बैलेंस शीट तैयार कराकर ऑडिटेड रिटर्न फाइल की गई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में रामलीला मंचन पर कुल 16,52,994 रुपये खर्च हुए। कमेटी को 5,76,789 रुपये नकद चंदा, 4,76,205 रुपये बैंक खाते में चंदा तथा करीब छह लाख रुपये झूलों और दुकानों से प्राप्त हुए। कमेटी के प्रयासों से रामलीला मैदान में करीब दो करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें बेसमेंट हॉल, कलाकारों के मेकअप रूम, पोल लाइट, बेंच, चारदीवारी, मुख्य द्वार, शौचालय और स्टेज की मरम्मत व निर्माण शामिल हैं। पांच प्रबुद्धजनों को मुख्य संरक्षक बनाया गया है।

तेज रफ्तार बस ने मचाया तांडव, ढाबे में घुसकर कई वाहन किए क्षतिग्रस्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में गुरुवार को तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित शिवा ढाबे में जा घुसी। हादसा डीपीएस स्कूल के पास पेट्रोल पंप के सामने हुआ। बस की चपेट में एक कार, बाइक और ई-रिक्शा भी आ गए। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। गनीमत रही कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस तेज गति से आ रही थी और अचानक अनियंत्रित होकर ढाबे में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ढाबे के आसपास खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए जांच शुरू की।

स्थानीय लोगों ने बस चालक के नशे में होने की आशंका जताई, लेकिन पुलिस ने इसकी अभी पुष्टि नहीं की है। पुलिस के अनुसार चालक की स्थिति और दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

तेज रफ्तार थार की टक्कर से होमगार्ड की मौत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात तेज रफ्तार थार ने पुलिस रिस्पांस व्हीकल (PRV) में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड कपिल कुमार (40) गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल प्रवीण कुमार गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त की रात करीब 11:15 बजे ढफ्स्र-9619 को गौर सिटी-2 क्षेत्र में इवेंट की सूचना मिली थी। कमांडर कांस्टेबल प्रवीण कुमार और पायलट होमगार्ड कपिल कुमार मौके के लिए रवाना हुए थे। एनएच-9 पर बहरामपुर चौकी के पास तेज रफ्तार लाल रंग की थार ने उनकी PRV को टक्कर मार दी। दोनों घायलों को एसजेएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कपिल कुमार ने दम तोड़ दिया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर थार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में चालक द्वारा वाहन तेज गति और अनियंत्रित तरीके से चलाने की बात सामने आई है।

दबिश से लौट रही पुलिस टीम की कार कैंटर से भिड़ी, सब इंस्पेक्टर की मौत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली में दबिश देकर लौट रही अलीगढ़ पुलिस की टीम गुरुवार तड़के दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसे का शिकार हो गई। बीकानेर बिल्डिंग के सामने सुबह करीब पांच बजे पुलिस टीम की स्विफ्ट कार कैंटर से टकरा गई। हादसे में सब इंस्पेक्टर उपेंद्र की मौत हो गई, जबकि तीन पुलिसकर्मियों और दो आरोपियों समेत कई लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, थाना मडराक, अलीगढ़ की टीम दिल्ली में दबिश देकर दो आरोपियों सत्येंद्र पुत्र जोगेंद्र और आशु पुत्र सत्येंद्र को गिरफ्तार कर वापस लौट रही थी। कार में सब इंस्पेक्टर उपेंद्र, हेड कांस्टेबल नरेंद्र, रिक्रूट कांस्टेबल ऋतिक और दोनों आरोपी सवार थे। गाजियाबाद के कोतवाली क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर पहुंचते ही कार की कैंटर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार सभी लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान सब इंस्पेक्टर उपेंद्र ने दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। घटनास्थल पर कानून-व्यवस्था सामान्य बताई गई है।

हर बूंद से जीवन, हर प्रयास से भविष्य: 'उत्थान जल संजीवनी अभियान' शुरू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में उत्थान समिति ने 'उत्थान जल संजीवनी अभियान' का शुभारंभ किया। जिला गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी एवं समिति के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार मांडड़ ने अभियान का विधिवत शुभारंभ करते हुए जनपदवासियों से जल संरक्षण की मुहिम से जुड़ने की अपील की। अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, तालाबों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया जाएगा। डीएम ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक, आरडब्ल्यूए, शिक्षण संस्थान, उद्योग और सामाजिक संगठनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उत्थान समिति के चेयरमैन एवं जिला गंगा समिति के सदस्य सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि जल बचाने के साथ बारिश की बूंदों को धरती के भीतर पहुंचाना भी जरूरी है।

तिरंगे की शान में गूंजा गाजियाबाद, कॉन्सर्ट से लोनी तक देशभक्ति का जोश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस से पहले गुरुवार को गाजियाबाद में देशभक्ति का रंग देखने को मिला। जिला प्रशासन की ओर से नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में भव्य तिरंगा कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य में राष्ट्रीय पर्वों की अहम भूमिका है। उन्होंने लोगों से हर घर पर तिरंगा फहराने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

कॉन्सर्ट में वंदे मातरम्के 150 वर्ष पूरे होने पर छात्राओं ने सामूहिक गायन किया। रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित नृत्य-नाटिका, हर घर तिरंगा विषयक प्रस्तुति, दिव्यांग बच्चों का देशभक्ति कार्यक्रम और कथक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। गायक गौरव शर्मा की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे। विधायक संजीव शर्मा और सीडीओ कुमार सौरभ ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

इसी क्रम में भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में बजरिया गुरुद्वारा साहिब से शहीद पथ तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम्के नारों से यात्रा मार्ग गूंजता रहा।

लोनी के खन्ना नगर में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विधायक नंद किशोर गुर्जर के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। मंत्री ने कहा कि तिरंगा राष्ट्रगौरव और जनभागीदारी का प्रतीक बन चुका है। शहर से लेकर लोनी तक निकली यात्राओं ने स्वतंत्रता दिवस से पहले लोगों में राष्ट्रप्रेम और उत्साह का संचार किया।